संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 03
पृष्ठ 8
शुक्रवार
18 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रूम फ्रेशनर छोड़िए, कमरे...

विचार- झूठे आंकड़ों की गूंज!

खेल- टीम इंडिया के सेलेक्शन पैटर्न ने दिए...

सेमिकॉन इंडिया में बोले पीम मोदी-

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और मजबूत जीडीपी ग्रोथ ने बढ़ाया देश का भरोसा

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में हाल ही में हुए शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिक्स देशों द्वारा हस्ताक्षरित नई दिल्ली घोषणापत्र की सराहना की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह संयुक्त घोषणापत्र वैश्विक मंचों पर भारत के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। सेमिकॉन इंडिया 2026 में बोलते हुए, पीएम मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था द्वारा हासिल की गई 7.8: जीडीपी वृद्धि का ज़िक्र किया और बताया कि यह वृद्धि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद कैसे हासिल की गई। मोदी ने कहा कि भारत की तिमाही ळक्क रिपोर्ट सितंबर में ही जारी की गई थी और इस मुश्किल दौर में भी भारत ने 7.8 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की। इसी दौरान, जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को अपग्रेड किया। ऐसा लगभग तीन दशक, यानी करीब 35 साल बाद हुआ। उन्होंने कहा कि एक तरफ़ भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। दूसरी तरफ़, दुनिया का भारत पर भरोसा भी बढ़ रहा है। दोस्तों, इस भरोसे की एक और बड़ी मिसाल तीन दिन पहले हुए ब्रिक्स समिट में देखने को मिली। भारत ने इस समिट की सफल मेज़बानी की, और सबकी सहमति से श्नई दिल्ली घोषणापत्रश् को अपनाना, दुनिया के भारत पर भरोसे का एक और बड़ा सबूत है। भारत ने 12–13 सितंबर को नई दिल्ली में लचीलेपन, इनोवेशन, सहयोग और सस्टेनेबिलिटी के लिए निर्माण (Building for Resilience] Innovation] Cooperation and Sustainability) थीम के तहत 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेज़बानी की। इसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा समेत दुनिया के कई नेता शामिल हुए। नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए 1 लाख इंजीनियरिंग छात्रों को ट्रेनिंग देने का लक्ष्य रखा है, और हम उनमें से 70,000 से ज़्यादा को ट्रेनिंग दे भी चुके हैं... मैं युवाओं से अपील करता हूँकृचाहे वे भारत में रिसर्च कर रहे हों या विदेश मेंकृकि वे आगे आएँ और यहाँ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के विकास में हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री कई चुनौतियों का सामना कर रही है। इन चुनौतियों के बीच, दुनिया को नए और भरोसेमंद मैन्युफैक्चरिंग हब की बहुत ज़रूरत है और मैं यह बात पूरी ज़िम्मेदारी के साथ कह रहा हूँ। मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि भारत इस भूमिका के लिए लगातार खुद को तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब हमारे जैसा कोई देश किसी अहम इंडस्ट्री में कामयाब होता है, तो इससे ग्लोबल सप्लाई चेन मज़बूत होती हैकृयह बात ऐसे समय में और भी अहम हो गई है जब सप्लाई चेन का इस्तेमाल हथियार के तौर पर किया जा रहा है। हमें भारत में हो रहे इन बदलावों को इसी व्यापक नज़रिए से देखना चाहिए।

पेंशन क्यों बंद हुई? तुरंत चालू करो

जनता दर्शन में दिव्यांग की बात सुन अधिकारियों पर बिफरे

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। मुख्यमंत्री गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान करीब 150 लोगों से मिले जहां इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से उन्होंने कहा कि सरकार इलाज में पूरी मदद करेगी। इसके लिए जरूरतमंद लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा और इसके बाद भी जरूरत पड़ी तो विवेकाधीन कोष से सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। योगी ने लोगों के पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्रों का अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे परेशान न हों, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने अलग–अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किए। साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में देवरिया जनपद से आए एक दिव्यांग ने इलाज के लिए सहायता देने का निवेदन किया। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को समुचित व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया। दिव्यांग से बातचीत में जैसे ही सीएम को उसका आयुष्मान कार्ड न होने की जानकारी हुई तो उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द आयुष्मान कार्ड बनवा दिया जाए। उन्होंने उससे दिव्यांग पेंशन के बारे में भी पूछा तो पता चला कि पेंशन मिलती थी, लेकिन किंचित कारणों से अभी बंद है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उक्त दिव्यांग की पेंशन बहाल कराने के लिए निर्देशित किया।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर एमपी के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने रीवा में किया रक्तदान

रीवा,एजेंसी। मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर रीवा में आयोजित एक स्वैच्छिक शिविर में रक्तदान किया और स्वस्थ व पात्र नागरिकों से इस कार्य में शामिल होने का आग्रह किया। मोदी के सार्वजनिक सेवा में 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा शुरू किए गए एक महीने के राष्ट्रव्यापी सेवा संकल्प अभियान के तहत यहां के कृष्ण राज कपूर सभागार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। शुक्ला ने रक्तदान करके अभियान का उद्घाटन किया। भाजपा नेता ने कहा कि मोदी के जन्मदिन के अवसर पर देश भर में रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, रक्तदान एक महान कार्य है और मानवता की सेवा करने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। दुर्घटनाओं में घायल लोगों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों के इलाज के लिए रक्त की आवश्यकता होती है। उन्होंने स्वस्थ और पात्र नागरिकों से रक्तदान करने और जरूरतमंदों का जीवन बचाने में योगदान देने का आग्रह किया। शुक्ला ने कहा कि 18 से 65 वर्ष की आयु के स्वस्थ लोग जो पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, वे चिकित्सा जांच के बाद रक्तदान कर सकते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि रक्तदान के बाद उन्हें आंतरिक खुशी महसूस हुई और उन्होंने नागरिकों से इस सेवा पहल में भाग लेने का आग्रह किया।

मेरी डिग्री का क्या? कैंपेन लेकर आई यूथ कांग्रेस, खाली सरकारी पदों पर भर्ती की मांग

नई दिल्ली,एजेंसी। इंडियन यूथ कांग्रेस ने देशभर के सरकारी विभागों में खाली पड़े मंजूर पदों को लेकर 'मेरी डिग्री का क्या?' कैंपेन शुरू किया है। कैंपेन की शुरुआत दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ हुई, जहां एक वेबसाइट लॉन्च की गई और आगे की गतिविधियों का रोडमैप भी बताया गया। यूथ कांग्रेस का कहना है कि देश के युवाओं के सामने बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती है और बड़ी संख्या में सरकारी पद खाली होने

जहां लोगों की सोच समाप्त होती है, वहीं मोदी जी का विजन शुरू होता है: राजनाथ

वाराणसी,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मस्थान वडनगर और कर्मभूमि काशी को जोड़ने वाली बाइक यात्रा महज एक स्थान से दूसरे स्थान तक की यात्रा नहीं, बल्कि दो महत्वपूर्ण स्थानों को जोड़ने वाली यात्रा है। श्री सिंह ने कहा, ष्एक ओर काशी है, जहां से मोदी जी के सार्वजनिक जीवन को नई ऊर्जा मिली और मां गंगा का आशीर्वाद मिला। दूसरी ओर वडनगर है, जहां उन्हें पूजनीय मां हीराबेन का आशीर्वाद मिला और संस्कारों की नींव प्राप्त हुई। यह मेरा अनुभव है कि जहां लोगों की सोच समाप्त होती है, वहीं मोदी जी का विजन शुरू होता है।ष उन्होंने कहा कि इसका उदाहरण वर्ष 2001 में गुजरात में आया विनाशकारी भूकंप है। उस कठिन समय में मुख्यमंत्री के रूप में श्री मोदी ने जिम्मेदारी संभाली। लोगों को लग रहा था कि गुजरात इस मुसीबत से बाहर नहीं निकल पाएगा, लेकिन मोदी ने सभी को गलत साबित करते हुए गुजरात के विकास को ष्टेस्ट मैच से वनडेष में बदलने का काम किया। उन्होंने गुजरात को विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ाया और आज गुजरात एक मॉडल राज्य के रूप में स्थापित है। रक्षा मंत्री ने कहा कि एक अच्छा नेता बेहतर सड़कें, बेहतर बुनियादी ढांचा और पुल बनवाता है, लेकिन महान नेता वह होता है जो लोगों को आत्मनिर्भर बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी का यही प्रयास है। मुद्रा योजना के माध्यम से छोटे कारोबारी अपने पैरों पर खड़े हो रहे हैं और स्किल इंडिया ने हुनर को रोजगार से जोड़ने का रास्ता बनाया है। उन्होंने कहा कि कभी कोई सोच भी नहीं सकता था कि देश के हर नागरिक तक बैंकिंग सुविधा पहुंचेगी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने यह संभव कर दिखाया। उन्होंने कहा, ष्जिंदगी लंबी ही नहीं, बड़ी भी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर हम सभी उनकी लंबी आयु की कामना करते हैं। जहां तक जिंदगी के बड़े होने का सवाल है, प्रधानमंत्री का व्यक्तित्व, नेतृत्व और कर्तृत्व इसे हासिल कर चुका है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर वडनगर और वाराणसी के बीच शुरू हुई 10 राज्यों की सेवा यात्रा

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वडनगर–वाराणसी सेवा यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मस्थान को उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी से जोड़ेगी और इस दौरान विभिन्न पड़ाव पर फिल्म दिखाने से लेकर कई अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मोदी के 76वें जन्मदिन पर वाराणसी में सेवा संकल्प अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, चौधरी ने कहा कि यह यात्रा दोनों दिशाओं में होगी, जिसमें 500 प्रतिभागी वाराणसी से वडनगर तक गंगा जल लेकर जाएंगे और उतने ही लोग गुजरात से वाराणसी तक पवित्र जल लाएंगे। उन्होंने कहा,"आज हम प्रधानमंत्री के जन्मस्थान वडनगर और उनकी कर्मभूमि वाराणसी को जोड़ने वाली अभूतपूर्व वडनगर–वाराणसी 'सेवा यात्रा' का शुभारंभ कर रहे हैं। यह यात्रा काशी से वडनगर और वडनगर से काशी तक 10 विभिन्न मार्गों के माध्यम से दोनों दिशाओं में चलेगी।"

जयपुर, जोधपुर और कोटा में 25 सितंबर को होगा मेयर चुनाव

जयपुर,एजेंसी। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित तीन प्रमुख शहरों में नगर निगमों के महापौर और उपमहापौर का चुनाव 25 सितंबर को होगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को इसका कार्यक्रम जारी किया। इस बीच राजस्थान के चार नगर निकायों में जिन नौ वार्ड में पुनर्मतदान हुआ, उनमें से छह पर कांग्रेस एवं तीन में भारतीय जनता पार्टी ने जीत दर्ज की है। आज हुई मतगणना के साथ ही राज्य में सभी 10,244 वार्डों के परिणाम आ गए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निगम जयपुर, जोधपुर एवं कोटा और नगर पालिका सुकेत (कोटा) में अध्यक्षीय एवं उपाध्यक्षीय पदों के चुनाव का अलग कार्यक्रम जारी किया है। यहां अध्यक्षीय पदों के लिए नामांकन की प्रक्रिया 18 सितंबर से शुरू होगी और 19 सितंबर तक नाम दाखिल किए जा सकते है, जबकि 22 सितंबर तक नाम वापस लिये जा सकते हैं। जरूरत पड़ने पर 25 सितंबर को मतदान होगा और उसी दिन मतगणना भी होगी। इसी तरह इन चारों जगह उपाध्यक्षीय पदों के लिए चुनाव 26 सितंबर को होगा। उल्लेखनीय है कि राज्य में सात नगर निगम सहित 305 निकायों में महापौर, सभापति एवं अध्यक्ष पद के लिए आए नामांकन की आज जांच की जा रही है। कल तक नाम वापस लिये जा सकते हैं। चुनाव 21 सितंबर को होंगे। उसके बाद 22 सितंबर को उपमहापौर, उपसभापति एवं उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होंगे। इस बीच, नौ वार्ड में पुनर्मतदान के परिणाम बृहस्पतिवार को आए। इन वार्ड के कुछ बूथ पर मतदान के दौरान इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में तकनीकी खराबी आने के बाद पुनर्मतदान करवाया गया था। पुनर्मतदन के बाद जोधपुर नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी 45 पार्षद के साथ सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। हालांकि यहां निर्दलीय पार्षद महत्वपूर्ण भूमिका में रहेंगे। पुनर्मतदान में कांग्रेस ने जयपुर नगर निगम के सभी चार वार्ड जीते और कोटा नगर निगम एवं सुकेत नगरपालिका में भी एक–एक वार्ड जीता। वहीं भाजपा ने कोटा नगर निगम के तीन वार्ड में से दो और जोधपुर नगर निगम के एकमात्र शेष वार्ड में जीत दर्ज की।

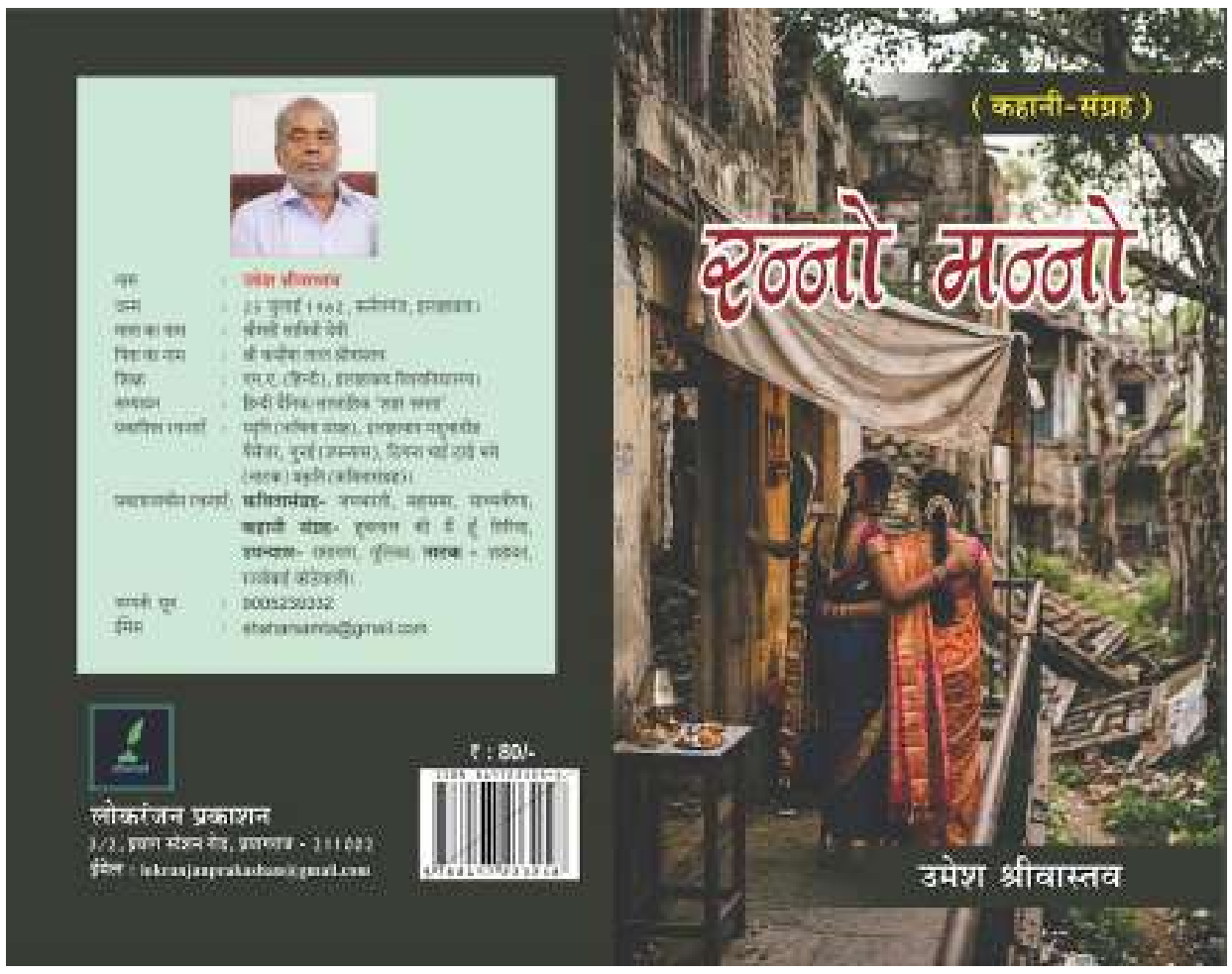

सीएम मोहन यादव पर बरसे राहुल गांधी, बालाघाट में बच्चों की मौतों पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 17 सितंबर को बालाघाट में 30 से ज़्यादा आदिवासी बच्चों की मौत की खबरों के बाद मध्य प्रदेश सरकार की आलोचना की। उन्होंने इन मौतों के लिए राज्य में बीमारी, कुपोषण, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और साफ़ पानी न मिल पाने को ज़िम्मेदार ठहराया। एक्स पर एक पोस्ट में, गांधी ने राज्य सरकार की धीमी प्रतिक्रिया और असंवेदनशीलता की निंदा करते हुए कहा कि बालाघाट में बीमारी, कुपोषण और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण 30 से ज़्यादा आदिवासी बच्चों की मौत हो गई है। संवेदनहीनता का आलम यह है कि मासूम जानें जाती रहीं, फिर भी प्रतिक्रिया धीमी रही और सरकार सोती रही। उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से कहा कि मुख्यमंत्री जी, अगर आपको दीये जलाने और त्योहार मनाने के बाद समय मिले, तो ज़रा राज्य की ज़मीनी हक़ीक़त पर भी नज़र डालिए। गांधी ने सरकार पर चरमराती स्वास्थ्य व्यवस्था, बीमारियों को रोकने में नाकामी, कुपोषण, और मिलावटी दवाओं व अवैध शराब जैसी समस्याओं का आरोप भी लगाया। कांग्रेस नेता ने कहा कि वह मध्य प्रदेश भर में छात्रों, युवाओं और आम जनता से फ़ीडबैक लेने के लिए इंदौर जा रहे हैं।

नव चयनित तकनीकी सहायक को किया सम्मानित

प्रयागराज। कृषि विभाग में नव चयनित तकनीकी सहायक सविता पटेल को समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव दूधनाथ

पटेल ने अंगवस्त्र व पुष्प देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सविता पटेल के इस चयन से क्षेत्र की अन्य बालिकाओं को भी प्रेरणा लेकर पढ़ाई करनी चाहिए ताकि उन्हें में अच्छा मुकाम मिल सके।

शिक्षकों के सम्मान के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे : डॉ. त्रिपाठी

प्रयागराज। इलाहाबाद–झांसी शिक्षक विधायक बाबूलाल त्रिपाठी ने बुधवार को सहसों क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों का भ्रमण किया। उन्होंने शिक्षकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और

विद्यालयों से जुड़ी आवश्यकताओं की जानकारी ली। कुछ समस्याओं का उन्होंने मौके पर ही त्वरित निराकरण भी किया। उन्होंने शिक्षकों के साथ संवाद कर उनकी जरूरतों पर चर्चा की। बाबूलाल त्रिपाठी ने कहा कि वे शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए लगातार प्रयास करेंगे। उनके अधिकार और हित से जुड़े मामलों को शासन स्तर तक पहुंचाया जाएगा। इस मौके पर रमेश कुमार द्विवेदी, अनिल कुमार मिश्र, प्रधानाचार्य अरविंद वर्मा, राजेश सिंह, राम आशीष जोशी आदि रहे।

इफको अध्यक्ष दिलीप संघानी आईसीए ग्लोबल बोर्ड में एट–लार्ज डायरेक्टर चुने गए

प्रयागराज। इफको के अध्यक्ष दिलीप संघानी को इंटरनेशनल कोऑपरेटिव अलायंस (आईसीए) के ग्लोबल बोर्ड में एट–लार्ज डायरेक्टर चुना गया है। यह चुनाव 15 सितंबर को पनामा सिटी

में हुई आईसीए जनरल असेंबली में हुआ। संघानी को 526 मत मिले। वह इस पद के लिए भारत के एकमात्र उम्मीदवार थे। उनके निर्वाचन से वैश्विक सहकारी आंदोलन की शीर्ष संस्था में भारत को प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व मिला। इफको फूलपुर इकाई के वरिष्ठ महाप्रबंधक पीके सिंह ने यह जानकारी देते हुए इसे भारतीय सहकारिता के लिए गौरव बताया। संघानी की उम्मीदवारी को भारतीय सहकारिता क्षेत्र और कई देशों का समर्थन मिला। चार दशक से अधिक सार्वजनिक अनुभव वाले संघानी गुजरात विधानसभा सदस्य और सांसद भी रहे हैं। इस दौरान महाप्रबंधक पीके पटेल, रत्नेश कुमार, एके गुप्ता, अरुण कुमार, एचआर प्रमुख शंभू शेखर, अनुराग तिवारी, स्वयं प्रकाश, पंकज पांडेय और महामंत्री विजय यादव ने बधाई दी है।

नौ मुकदमों में बरती गई लापरवाही पर मेजा थानाध्यक्ष को नोटिस

प्रयागराज। ग्राम न्यायालय ने 32 साल पुराने मामलों में भी वारंट और समन का तामीला न कराने पर मेजा थाना प्रभारी को नौ अलग–अलग मुकदमों में नोटिस जारी किया है। साथ ही लापरवाह के लिए पुलिस आयुक्त प्रयागराज को रिपोर्ट भेजी गई है। ग्राम न्यायालय मेजा के न्यायाधिकारी संतोष कुमार वर्मा ने बताया कि एक गंभीर मामला ग्राम न्यायालय के सामने आया है, जहां मुकदमों के त्वरित निस्तारण के प्रति मेजा पुलिस की लापरवाही उजागर हुई है। न्यायालय में विचाराधीन 32 वर्ष पुराने मुकदमों में निर्गत आदेशिकाओं (समन, जमानतीय–गैर जमानतीय अधिपत्र और धारा 82–83 की कार्रवाई) को नियत तिथि तक कोर्ट में प्रस्तुत न करने का मामला पकड़ में आया है। कोर्ट ने नौ अलग–अलग मुकदमों में बरती गई लापरवाही पर थाना प्रभारी मेजा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। न्यायाधिकारी ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस का यह कृत्य न केवल घोर लापरवाही है बल्कि उदासीनता का द्योतक है। न्यायाधिकारी ने बताया कि दो माह के अंदर 35 साल पुराने कई मुकदमों का निस्तारण किया गया है।

बिजली कटौती से संकट में बुनकर

प्रयागराज। क्षेत्र में बिजली कटौती से पावरलूम कारोबारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आपूर्ति बाधित होने से पावरलूम नहीं चल पा रहे हैं। इसका असर बुनकरों के साथ ही मजदूरों की आमदनी पर भी पड़ रहा है। क्षेत्र के महेंद्र कुमार, नरेश चंद्र और जमील अहमद आदि ने कहा कि हर महीने बढ़े हुए बिजली बिलों का भुगतान करना मुश्किल हो रहा है। उप खंड अधिकारी बहादुर सिंह ने बताया कि कटौती खंड स्तर से नहीं मेन स्टेशन से की जा रही है। इस वजह से कटौती हो रही है।

प्रधान पति ने सुपारी देकर कराया पवन यादव का कत्ल; निहाल भेजता था रेकी के वीडियो

प्रयागराज। प्रयागराज में सपा नेता की हत्या का खुलासा हो गया है। प्रधान पति ने पांच लाख की सुपारी देकर पवन यादव की हत्या कराई थी। हिस्ट्रीशीटर लल्ला समेत दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गए। पुलिस ने हत्याकांड में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पवन कुमार यादव को मंगलवार को हंडिया कस्बे में पिलर नंबर–52 के पास बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी थी। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

प्रयागराज के हंडिया में सपा के गंगापार जिला सचिव व पूर्व ग्राम प्रधान पवन कुमार यादव की हत्या में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। सपा नेता की हत्या चुनावी रंजिश में पांच लाख रुपये की सुपारी देकर कराई गई थी। बुधवार को हत्याकांड का खुलासा किया गया। पुलिस ने बताया कि प्रधान पति विनोद यादव समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें से दो आरोपियों की निशानदेही पर अन्य आरोपियों को पकड़ने पहुंची पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई।

जवाबी फायरिंग में हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र यादव उर्फ लल्ला और निहाल अहमद पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की है। उधर, आक्रोशित परिजनों ने सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया।

बुधवार को पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता के दौरान डीसीपी गंगापार कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि हंडिया के मुगरांव निवासी पवन कुमार यादव को मंगलवार को कस्बे में पिलर नंबर–52 के पास बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी थी।

गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बड़े भाई अशोक कुमार यादव की तहरीर पर हत्या की एफआईआर दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई थी।

जांच में मुगरांव निवासी विनोद कुमार यादव और बगहा निवासी बृजेश यादव का नाम सामने आया। दोनों को बुधवार दोपहर करीब 1रू15 बजे सरायकस्तूरी बाग के पास गिरफ्तार किया गया।

डीसीपी ने बताया कि आरोपी विनोद ने पूछताछ में बताया कि पवन की हत्या के पीछे पंचायत चुनाव को लेकर दोनों के बीच रंजिश थी। उसकी पत्नी ग्राम प्रधान है और उसे गांव में ईसीसीई एजुकेटर के पद पर संविदा पर लगाए जाने का पवन ने विरोध किया था। बाद में पवन की आपत्ति पर उसे पद से हटा दिया गया था। इस बात से भी दोनों के बीच कई बार विवाद हुआ था।

लल्ला पर 44, निहाल पर तीन और बृजेश पर दो एफआईआर

पुलिस के अनुसार जितेंद्र उर्फ लल्ला यादव का लंबा आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ हंडिया, उतरांव, सैनी, कोखराज, नवाबगंज, शिवकुटी, धूमनगंज और भदोही समेत विभिन्न थानों में 44 एफआईआर

हैं। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, चोरी, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट समेत अन्य मामले शामिल हैं। निहाल अहमद के खिलाफ वाराणसी के सिगरा और भदोही के ज्ञानपुर थाने में तीन और बृजेश यादव के खिलाफ हंडिया थाने में दो प्राथमिकी दर्ज हैं।

बाग में छिपे थे दोनों

विनोद और बृजेश की निशानदेही पर टीम औरा पुलिया से जसवा की तरफ नहर रोड स्थित बाग में पहुंची। वहां पुलिस को देखकर बाइक सवार दो संदिग्ध भागने लगे। पीछा करने पर दोनों ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। घायल दोनों आरोपियों को अस्पताल भेजा गया।

वारदात से एक दिन पहले मिले थे चारों आरोपी

पवन की हत्या में कई और भी अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस जांच में पता चला कि डेढ़ माह से चल रही पवन की हत्या की योजना की साजिश को अंजाम देने के लिए वारदात से एक दिन पहले चारों आरोपी विनोद यादव, जितेंद्र उर्फ लल्ला यादव, निहाल अहमद और बृजेश यादव गांव के बाहर एक स्थान पर मिले थे। यहां चारों के बीच पवन की हत्या को लेकर बातचीत हुई और अगले दिन वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई गई। मुलाकात के दौरान यह भी तय किया गया कि पवन को कब और किस तरह निशाना बनाया जाएगा।

इसके बाद चारों अपने–अपने ठिकानों पर चले गए और अगले दिन योजना के मुताबिक वारदात को अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि 15 सितंबर को पवन हंडिया कस्बे की ओर गए थे। इसी दौरान बाइक सवार आरोपियों ने उनका पीछा किया। मौका मिलते ही बाइक पर सबसे पीछे बैठे जितेंद्र उर्फ लल्ला यादव ने पवन को गोली मार दी। गोली लगने से पवन गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।

2022 के हत्याकांड में मुखबिरी का भी था शक

हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र उर्फ लल्ला यादव की भी पवन से रंजिश थी। लल्ला को शक था कि 2022 में शशांक हत्याकांड में पवन ने उसकी मुखबिरी की थी और उसे जेल भिजवाने में भूमिका निभाई थी। इसी वजह से वह पवन से बदला लेना चाहता था। करीब डेढ़ माह पहले विनोद और लल्ला की मुलाकात हुई। पांच लाख रुपये सुपारी देकर पवन की हत्या कराने की योजना बनाई। इसके लिए विनोद ने लल्ला को 25 हजार रुपये दिए, जिससे उसने तमंचा और कारतूस खरीदा।

डेढ़ माह पहले ज्ञानपुर जेल में रची गई थी हत्या की साजिश

पुलिस जांच में सामने आया कि पवन की हत्या की योजना में लल्ला ने अपने साथी बृजेश और ज्ञानपुर बाजार निवासी निहाल अहमद को शामिल किया। लल्ला और निहाल की मुलाकात पहले ज्ञानपुर जेल में हुई थी। लल्ला ने निहाल को हत्या की योजना बताकर गाड़ी चलाने के लिए तैयार किया। इसके बदले उसे 50 हजार देने का लालच दिया गया।

भेजता था रेकी के वीडियो

डीसीपी ने बताया कि आरोपी वारदात से पहले लगातार पवन की रेकी कर रहे थे। निहाल ने अपने मोबाइल फोन से रेकी के कई वीडियो बनाए और उन्हें व्हाट्सएप के जरिये विनोद को भेजे। पुलिस जांच में आरोपी के मोबाइल पर पवन के कई वीडियो मिले हैं। यह भी पता चला कि लल्ला फोन का इस्तेमाल नहीं करता था। इसलिए विनोद ने निहाल की यूपीआई आईडी के जरिये कई बार लल्ला को रुपये भेजे। इन लेनदेन के स्क्रीनशॉट निहाल के मोबाइल पर मिले हैं।

हाईकोर्ट: बालिग को अपनी मर्जी से धर्म व जीवनसाथी चुनने का अधिकार, माता पिता नहीं सीमित कर सकते स्वतंत्रता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शामली के चर्चित आयुष मलिक धर्मांतरण मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक बालिग नागरिक को अपनी स्वेच्छा से धर्म चुनने और अपनी पसंद के जीवनसाथी के साथ रहने का संवैधानिक अधिकार है। न्यायमूर्ति संदीप जैन की पीठ ने कहा कि माता–पिता या परिवार की असहमति किसी वयस्क की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजी स्वायत्तता को बाधित नहीं कर सकती। यह आदेश आयुष के मित्र मोहम्मद सुल्तान द्वारा दाखिल की गई बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई के दौरान आया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शामली के चर्चित आयुष मलिक धर्मांतरण मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि बालिग को अपनी मर्जी से धर्म चुनने, उसका पालन करने और अपनी पसंद के जीवनसाथी के साथ रहने का सांविधानिक अधिकार है। परिवार या माता–पिता की असहमति किसी वयस्क की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजी स्वायत्तता को सीमित नहीं कर सकती।

यह आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन की एकल पीठ ने दिया है। आयुष के दोस्त मोहम्मद सुल्तान ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की थी। उसने आरोप लगाया था कि आयुष को उसके पिता ने अवैध रूप से घर में रोक रखा है। नौ सितंबर को कोर्ट ने आदेश दिया था कि आयुष को 16 सितंबर को अदालत में पेश किया जाए। आदेश के अनुपालन में 16 सितंबर को शामली कोतवाली के एसआई रवि दत्त शर्मा ने आयुष को अदालत में पेश किया।

कोर्ट ने आयुष और उसके पिता देवराज सिंह मलिक से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। आयुष ने बताया कि वह 31 साल का है। उसने वर्ष 2014 में बिना किसी डर, लालच, दबाव या जबरदस्ती के स्वेच्छा से इस्लाम धर्म स्वीकार किया था। तब से वह उसके रीति–रिवाजों का पालन कर रहा है। उसने यह भी कहा कि वह चांदनी कुरैशी से शादी करना चाहता है।

आयुष के पिता ने अदालत को बताया कि उनके बेटे को भटकाया गया है। उसकी भलाई को देखते हुए वह धर्म परिवर्तन और विवाह के फैसले के खिलाफ हैं। कोर्ट ने कहा कि बालिग के व्यक्तिगत फैसलों पर अभिभावकों की असहमति सांविधानिक अधिकारों को समाप्त नहीं कर सकती। कोर्ट ने आयुष को अपनी इच्छा से रहने, अपने पसंद के धर्म का पालन करने और कानून के मुताबिक वैवाहिक संबंध स्थापित करने के लिए स्वतंत्र कर दिया।

आयुष के पिता ने छह जून 2026 को पुलिस में शिकायत देकर आरोप लगाया था कि युवती ने उनके बेटे को प्रेम जाल में फंसाकर उसका जबरन धर्मांतरण कराया है।

तहरीर पर पुलिस ने चांदनी कुरैशी, उनके पिता इस्लाम कुरैशी और एक रिश्तेदार के खिलाफ उत्तर प्रदेश गैर–कानूनी धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम–2021 और बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया था। 24 जुलाई को ट्रायल कोर्ट से आरोपियों को जमानत मिल गई थी।

डेढ़ माह से रची जा रही थी हत्या की साजिश, वारदात से एक दिन पहले मिले चारों आरोपी

प्रयागराज। पवन की हत्या में कई और भी अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस जांच में पता चला कि डेढ़ माह से चल रही पवन की हत्या की योजना की साजिश को अंजाम देने के लिए वारदात से एक दिन पहले चारों आरोपी विनोद यादव, जितेंद्र उर्फ लल्ला यादव, निहाल अहमद और बृजेश यादव गांव के बाहर एक स्थान पर मिले थे। पवन की हत्या में कई और भी अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस जांच में पता चला कि डेढ़ माह से चल रही पवन की हत्या की योजना की साजिश को अंजाम देने के लिए वारदात से एक दिन पहले चारों आरोपी विनोद यादव, जितेंद्र उर्फ लल्ला यादव, निहाल अहमद और बृजेश यादव गांव के बाहर एक स्थान पर मिले थे। यहां चारों के बीच पवन की हत्या को लेकर बातचीत हुई और अगले दिन वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई गई। मुलाकात के दौरान यह भी तय किया गया कि पवन को कब और किस तरह निशाना बनाया जाएगा। इसके बाद चारों अपने–अपने ठिकानों पर चले गए और अगले दिन योजना के मुताबिक वारदात को अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि 15 सितंबर को पवन हंडिया कस्बे की ओर गए थे। इसी दौरान बाइक सवार आरोपियों ने उनका पीछा किया। मौका मिलते ही बाइक पर सबसे पीछे बैठे जितेंद्र उर्फ लल्ला यादव ने पवन को गोली मार दी। गोली लगने से पवन गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, आरोपियों की गतिविधियों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने संदिग्धों की पहचान शुरू की थी।

लल्ला पर 44, निहाल पर तीन और बृजेश पर दो एफआईआर

पुलिस के अनुसार जितेंद्र उर्फ लल्ला यादव का लंबा आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ हंडिया, उतरांव, सैनी, कोखराज, नवाबगंज, शिवकुटी, धूमनगंज और भदोही समेत विभिन्न थानों में 44 एफआईआर हैं। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, चोरी, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट समेत अन्य मामले शामिल हैं। निहाल अहमद के खिलाफ वाराणसी के सिगरा और भदोही के ज्ञानपुर थाने में तीन और बृजेश यादव के खिलाफ हंडिया थाने में दो प्राथमिकी दर्ज हैं।

कार की चपेट में आकर अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर के नीचे घुसा बाइक सवार, मौत

प्रयागराज। क्षेत्र के टोंस नदी पुल पर बुधवार को कार की चपेट में आने से बाइक सवार किसान रणविजय सिंह (38) ट्रैक्टर के नीचे घुस गया। इससे उसकी मौत हो गई। वह अपने घर धरवारा लौट रहे थे। विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मारी। हादसे में उनके सिर पर गंभीर चोट आई, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को सीएचसी मेजा पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रणविजय सिंह अपने पिता पंचू सिंह के निधन के बाद परिवार का पालन–पोषण कर रहे थे। वह घर के इकलौते बेटे थे। उनकी मौत की खबर से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। वह अपने पीछे वृद्ध मां कुसुम सिंह और पत्नी रंजना सिंह को रोता–बिलखता छोड़ गए हैं।

25 साल इंतजार के बाद मिली गिट्टी, चार माह से काम बंद

प्रयागराज। 25 साल की शिकायतों और इंतजार के बाद महुलिया–बीरकाजी संपर्क मार्ग के निर्माण की उम्मीद जगी थी लेकिन गिट्टी बिछाने के बाद ही काम थम गया। प्रयागराज–जौनपुर राजमार्ग को जोड़ने वाले करीब तीन किलोमीटर मार्ग पर चार माह से निर्माण बंद है। बारिश ने ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ा दी है। सड़क पर जगह–जगह जलभराव और बिखरी

गिट्टी के कारण राहगीरों को जोखिम उठाकर गुजरना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक इस मार्ग से रोजाना पांच हजार से अधिक लोग आवागमन करते हैं। महुलिया–बीरकाजी मार्ग आसपास के कई गांवों के लिए प्रमुख रास्ता है। ग्रामीण रमेश कुमार, अशफाक, जियाउद्दीन, गुड्डू, सालिकराम पटेल आदि का कहना है कि सड़क निर्माण की मांग करीब 25 वर्षों से की जा रही थी। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से 200 से अधिक बार शिकायत और काफी इंतजार के बाद निर्माण शुरू हुआ तो लोगों को लगा कि वर्षों पुरानी समस्या खत्म होगी। सड़क पर गिट्टी डालने के बाद काम रुक गया और चार माह से निर्माण आगे नहीं बढ़ा। बारिश से सड़क की स्थिति और खराब हो गई है। कई स्थानों पर पानी जमा होने से सड़क और गिट्टी में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। वहीं, जगह–जगह फैली गिट्टी पर दोपहिया वाहन फिसलने का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों के अनुसार, कई लोग वाहन फिसलने से गिरकर चोटिल हो चुके हैं। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है।

सड़क बनवाने के लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई जा रही है। कई वर्षों की मांग के बाद निर्माण शुरू हुआ तो उम्मीद जगी थी कि अब आवागमन आसान होगा लेकिन गिट्टी डालकर काम रोक दिया गया। अधूरी सड़क से समस्या और बढ़ गई है।– वकार अहमद, समाजसेवी, फूलपुर।

बारिश में सड़क पर पानी और गिट्टी के कारण दोपहिया वाहन चलाना मुश्किल हो गया है। वाहन का संतुलन बिगड़ने से लोग गिर रहे हैं। बुजुर्गों और बच्चों के लिए स्थिति ज्यादा चिंताजनक है। सड़क का निर्माण जल्द पूरा कराया जाना चाहिए।– अशफाक अहमद, बीरकाजी फूलपुर।

यह मार्ग कई गांवों को मुख्य राजमार्ग से जोड़ता है। खराब सड़क के कारण बच्चों को स्कूल भेजने और मरीजों को अस्पताल ले जाने में दिक्कत होती है। बारिश में जलभराव के बीच पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है।–सालिकराम पटेल, अजेहरा फूलपुर।

संक्षिप्त

महिला की गला रेतकर हत्या,नहर किनारे मिला शव

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसका शव गोहरामऊ के पास नहर किनारे मिला। सुबह टहलने निकले गांव वालों ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी। पूरा मामला काकोरी थाना क्षेत्र का है। मृतका की पहचान प्रेमावती उर्फ परी (30) पत्नी प्रदीप यादव के रूप में हुई है। गांव वालों ने गुरुवार सुबह करीब 7.30 बजे पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल पर संघर्ष के निशान मिले हैं। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को मौके पर बुलाया गया। टीम ने साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में महिला की गला रेतकर हत्या किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। परिजनों के मुताबिक, बुधवार रात करीब 10 बजे प्रेमावती ने पति प्रदीप के साथ खाना खाया था। इसके बाद दोनों सो गए। रात करीब 12 बजे प्रदीप की आंख खुली तो प्रेमावती बिस्तर पर नहीं थी। उसने आसपास तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। सुबह नहर किनारे उसका शव मिला। पुलिस की जांच में सामने आया है कि प्रेमावती ने करीब आठ से दस महीने पहले प्रदीप यादव से कोर्ट मैरिज की थी। दोनों के बीच करीब तीन साल से संबंध थे। प्रदीप मजदूरी करता है। प्रेमावती की इससे पहले करीब 18 साल पहले सेमरामऊ निवासी राजू यादव से शादी हुई थी। दोनों का करीब 17 वर्षीय एक बेटा है। पुलिस के मुताबिक, पति–पत्नी के बीच विवाद के बाद दोनों अलग हो गए थे। बेटा अपने पिता के साथ रहता है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हत्या की वजह और वारदात में शामिल व्यक्ति की पहचान के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पीएम के जन्मदिन पर सिविल अस्पताल में डिप्टी सीएम और महानगर अध्यक्ष बांटे फल

लखनऊ,संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बुधवार को लखनऊ के सिविल अस्पताल पहुंचकर मरीजों का हालचाल जाना। उन्होंने मरीजों को फल दिए और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान ब्रजेश पाठक ने अस्पताल में मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों से इलाज की व्यवस्था के बारे में पूछा। साथ ही अस्पताल में साफ–सफाई, दवाओं की उपलब्धता और मरीजों को समय पर इलाज मिलने की स्थिति की जानकारी ली। डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों से मरीजों के साथ संवेदनशील व्यवहार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मरीजों की सेवा और देखभाल सरकार की प्राथमिकता है। इसके अलावा लखनऊ में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

पीएम के जन्मदिन पर नगर निगम ने सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की

लखनऊ,संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर लखनऊ नगर निगम ने सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की है। हजरतगंज चौराहा स्थित गांधी प्रतिमा पर आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री और लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर सुषमा खर्कवाल ने की। मौके पर महात्मा गांधी, सरदार वल्लभ भाई पटेल व बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के आसपास साफ सफाई के साथ स्थलों की धुलाई भी की गई। साथ ही फूलो की माला भी पहनाई गई। मंत्री व महापौर ने कार्यकर्ताओं के साथ जेट स्प्रेयर, झाड़ू व वाइपर भी चलाया है। मेयर सुषमा खर्कवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर लखनऊ नगर निगम ने पूरे एक महीने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक के लिए यह विशेष स्वच्छता अभियान चलाया है। उन्होंने जानकारी दी कि अभियान के तहत काम को जोन–वाइज बांटा गया है। इसमें अलग–अलग दिनों में पूरे लखनऊ में सीवर की सफाई, नालियों की सफाई और वॉटर टैंकों की सफाई का काम प्रमुखता से किया जाएगा। महापौर ने पूरे लखनऊ वासियों की ओर से प्रधानमंत्री को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं और उनकी दीर्घायु व स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक जीवन में आते ही कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। आंतरिक हो या बाहरी, हर तरह की चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने पूरी दुनिया में भारत का मान बढ़ाया है। 17 सितंबर की सुबह 6 बजे गांधी प्रतिमा से शुरू हुआ यह स्वच्छता अभियान अगले एक महीने तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा।

संदिग्ध हालत में पड़ा मिला अज्ञात युवक का शव

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी के दुबग्गा में गुरुवार सुबह टोपा बिल्डिंग के पास एक अज्ञात युवक का शव मिला। शव संदिग्ध हालत में पड़ा था। राहगीरों ने जब शव देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही दुबग्गा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, मृतक युवक की उम्र करीब 34 साल बताई जा रही है। उसके पास कोई ऐसा दस्तावेज या सामान नहीं मिला, जिससे तुरंत उसकी पहचान हो सके। पुलिस ने आसपास के लोगों से युवक के बारे में जानकारी ली, लेकिन काफी देर तक उसकी पहचान नहीं हो पाई। घटनास्थल के आसपास जांच के दौरान पुलिस को कुछ इंजेक्शन और दूसरे नशीले पदार्थ पड़े मिले। इसके बाद युवक की मौत को लेकर कई तरह की आशंकाएं सामने आ रही हैं। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगी। इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि शव की पहचान कराने के लिए आसपास के इलाकों में जानकारी जुटाई जा रही है। इसके साथ ही, दूसरे तरीकों से भी मृतक की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी देखी है और यह पता लगाने में जुटी है कि युवक वहां कैसे पहुंचा। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाली बातों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

सीएमपी महाविद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित

प्रयागराज। सीएमपी महाविद्यालय में आज उत्कृष्टता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष , शासी निकाय, प्रयागराज थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे ने किया।इस कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं वंदेमातरम से किया गया। अतिथियों का स्वागत उपप्राचार्या प्रो नीता सिन्हा द्वारा किया गया।इस समारोह में वरिष्ठ शिक्षकों और पूर्व प्राचार्यों का सम्मान किया गया, जिसमें महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक एवं प्रथम महिला प्राचार्य डॉ आशा अस्थाना , डॉ के सी श्रीवास्तव, डॉ व्यासजी द्विवेदी, डॉ पद्मजा सिंह का स्वागत और सम्मान अंगवस्त्रम और प्रशस्ति पत्र और पुष्पगुच्छ देकर किया गया। चौधरी जितेंद्रनाथ सिंह ने अपने वक्तव्य में महाविद्यालय के शिक्षकों के योगदान और उनकी कर्तव्य निष्ठा की बहुत प्रशंसा की।प्राचार्य अजय प्रकाश खरे ने महाविद्यालय के विकास में सम्मानित शिक्षकों के योगदान,परिश्रम,समर्पण,एवं उनके उत्कृष्ट कार्यों पर विचार व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित करने पूरी प्रक्रिया को विवेचित किया। आशा अस्थाना जी ने महाविद्यालय के विगत वर्षों के अनुभव को बड़ी जीवंतता और सजीवता से प्रस्तुत किया और सभी शिक्षकों को महाविद्यालय

के प्रति अपने दायित्व बोध से परिचित कराया। डॉ के सी श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में प्राचार्य जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने जीवन के कई संस्मरण सुनाएं वे एक इतिहासकार और पूर्व प्राचार्य भी रहे ,उनकी किताबें आज भी प्रतियोगी विद्यार्थियों द्वारा पढ़ी जाती है। डॉ व्यास जी द्विवेदी गणित विभाग के मर्मज्ञ आचार्य रहे हैं, उन्होंने अपने कार्यकाल के अनेक संस्मरण साझा करते हुए महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास से सभी को परिचित कराया।

इसी श्रृंखला में डॉ पद्मजा सिंह ने अपने कार्यकाल के बारे वक्तव्य देते हुए संगीत की बारीकियों को व्यक्त किया और सावन गीत गाकर संपूर्ण वातावरण को सरस बनाया। प्रशस्ति पत्र का वाचन प्रो सरोज सिंह, प्रो अर्चना खरे और प्रो भावना चौहान द्वारा किया गया । इसी क्रम में महाविद्यालय के कुछ युवा साथियों का भी स्वागत और सम्मान किया गया जिसमें डॉ आशुतोष मिश्रा संगणक विभाग,डॉ राम चिरंजीवी समाजशास्त्र विभाग, डॉ रेनू सिंह विधि संकाय से उनके उत्कृष्टतम कार्य के कारण सम्मानित किया गयास वाणिज्य संकाय के अवधेश तिवारी तथा अर्थशास्त्र विभाग के डॉक्टर सत्येंद्र को भी उनकी कर्तव्य निष्ठा हेतु उत्कृष्टता सम्मान से सम्मानित किया गया।

जल निगम के सहायक अभियंता सुधीर यादव को जल भराव के संबंध में उनके सहयोग एवं योगदान को याद करते हुए सम्मानित किया गया। शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का भी सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो आभा त्रिपाठी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो सरोज सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक प्रो अर्चना खरे,भावना चौहान,उपप्राचार्या प्रो नीता सिन्हा,भूपेश त्रिपाठी,रजत श्रीवास्तव,संतोष श्रीवास्तव, एस पी सिंह,संजय सिंह,मंजू श्रीवास्तव,मृदुला त्रिपाठी,आरती गुप्ता और शिक्षणेत्तर कर्मचारी भी मौजूद रहे कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया।

सेवा संकल्प के साथ मथुरा में जनसेवा की पहल, मंत्री संदीप सिंह ने मरीजों को बांटे फल

जिला अस्पताल में जाना मरीजों का हाल, ब्रजवासी ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का किया शुभारंभ

मथुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर गुरुवार को मथुरा में सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत जनसेवा के कार्यक्रमों के साथ हुई। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने जिला अस्पताल पहुंचकर मरीजों को फल वितरित किए और उनका कुशलक्षेम जाना। इसके बाद उन्होंने मसानी स्थित ब्रजवासी ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया।

मंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक कर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने और निर्धारित व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि अभियान के तहत गुरुवार शाम सात बजे जिले में बड़े स्तर पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित होगा। जिले के करीब 3.50 लाख परिवारों द्वारा अपने घरों में दीप प्रज्ज्वलित किए जाने की योजना है। इसके अलावा घाटों, मंदिरों, चौराहों, पार्कों, विद्यालयों, अस्पतालों और अन्य प्रमुख स्थानों पर भी दीप प्रज्ज्वलन होगा। मंत्री ने आयोजन स्थलों पर साफ–सफाई, पेयजल, बिजली, यातायात, सुरक्षा और बैठने सहित सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता के लिए जनभागीदारी जरूरी है, इसलिए सेवा संकल्प के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए।

जिला अस्पताल में महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता, सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल सहित अधिकारी मौजूद रहे। वहीं ब्रजवासी ब्लड बैंक में सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता, डिप्टी सीएमओ डॉ. भूदेव सिंह समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भयहरणनाथ धाम में हुआ भव्य विश्वकर्मा उत्सव

विधायक रानीगंज व नगर पंचायत अध्यक्ष ने किया प्रतिभाग/हुए विविध आयोजन

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह में स्थित पांडवकालीन बाबा भयहरणनाथ धाम के श्री विश्वकर्मा मंदिर में मंदिर समिति द्वारा विश्वकर्मा पूजा के शुभ अवसर पर श्री विश्वकर्मा उत्सव का भव्य आयोजन हुआ। रानीगंज विधायक डॉ. आर.के. वर्मा व कटरा गुलाब सिंह नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव ने पहुंचकर विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। यह जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने बताया कि विश्वकर्मा मंदिर समिति के संयोजक राम चंद्र विश्वकर्मा के नेतृत्व में पूजन के साथ–साथ विविध धार्मिक भजन, गीत संगीत के कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में दंडी स्वामी महेशाश्रम जी महाराज, महंत बिच्छू महाराज, संरक्षक हीरा लाल, कोषाध्यक्ष लाल जी सिंह, सह कोषाध्यक्ष कमलेश वैश्य, कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र, राजू मैनेजर व स्वच्छता प्रभारी राज कुमार गौतम ने विशेष सहयोग व सहभागिता की। कार्यक्रम में विश्वकर्मा समाज के सदस्यों ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया।

नि:शुल्क नेत्र शिविर में भारी तादात में पहुंचे लोगों नें लिया लाभ

लखनऊ,संवाददाता। ब्लॉक देवकली के ग्राम सभा बेलसड़ी में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने पहुंचकर अपनी आंखों की जांच कराई और चिकित्सकीय परामर्श लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय महासचिव पुनीता सिंह खुशबू रहीं। शिविर का आयोजन देवकली चतुर्थ से जिला पंचायत सदस्य पद के उम्मीदवार अभिषेक यादव बिट्टू की ओर से किया गया। इस दौरान पुनीता सिंह खुशबू ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर चिकित्सा क्षेत्र को और अधिक विस्तार देने के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं को आम लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग के जरूरतमंद लोगों को बेहतर और सुलभ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन से लोगों को प्रारंभिक जांच और बीमारी की जानकारी समय से मिल सकती है। उन्होंने कहा कि आंखों की रोशनी से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोगों को जागरूक रहने की जरूरत है। समय–समय पर नेत्र परीक्षण कराने से कई गंभीर समस्याओं की पहचान शुरुआती स्तर पर की जा सकती है। आयोजक एवं देवकली चतुर्थ से जिला पंचायत सदस्य पद के उम्मीदवार अभिषेक यादव बिट्टू ने शिविर में पहुंचे सभी लाभार्थियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य राजनीति के माध्यम से समाज की सेवा करना है। उन्होंने उपस्थित लोगों से सहयोग और समर्थन की अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाने का प्रयास किया जाएगा।

फूलों की दुनिया अलग

फूलों की दुनिया अलग, मीठी सरल जुबान।
सूफ़ी के जो साथ रह, हरि का करते ध्यान।
हरि का करते ध्यान, नहीं कुछ माँगा करते।
बनकर प्रेम प्रसाद, भाव में खुशबू भरते।
सुन लो कहें प्रदीप, बात है अवधूतों की।
मन की आँखें खोल, बात समझो फूलों की।।

निर्मल पावन आचरण, निश्चल प्रिय मुस्कान।
बने सदा यह फूल की, प्यारी–सी पहचान।
प्यारी–सी पहचान,सदा सेवक की इसकी।
खुशबू का संसार, पंखुड़ी बनती जिसकी।
सुन लो कहें प्रदीप,धनी हो या फिर निर्बल।
करता सम व्यवहार,भाव रख हरदम निर्मल।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बलदेव में धूमधाम से मनाया गया दाऊजी महाराज का जन्मोत्सव

बलदेव। ब्रज के राजा ठाकुर श्री दाऊजी महाराज का जन्मोत्सव यमुना धाम कॉलोनी स्थित मनीष गर्गाचार्य के कार्यालय पर धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आचार्य मनीष गर्गाचार्य के सानिध्य में वेदपाठी ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण

के मध्य हवन–पूजन का आयोजन किया गया। जन्मोत्सव के दौरान खोआ से बने केक का कटिंग किया गया और प्रसाद के रूप में उपस्थित श्रद्धालुओं को वितरित किया गया। युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा ने कहा कि ठाकुर दाऊजी महाराज को ब्रज का राजा माना जाता है। ब्रजवासी और भक्त उन्हें स्नेहपूर्वक श्दाऊ दादाश के नाम से भी पुकारते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार द्वारका के राजा श्रीकृष्ण हैं, जबकि ब्रज में दाऊजी महाराज को राजा के रूप में विशेष सम्मान प्राप्त है। ब्रजमंडल में उनके प्रति संरक्षक और आराध्य का विशेष भाव माना जाता है। कार्यक्रम में युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा, बालाजी अखाड़ा के अध्यक्ष अजीत पहलवान, अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार, नारायण सिंह, रवेंद्र सिंह, मोहित गर्ग, शिवा गर्ग सहित अन्य लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राधाष्टमी पर बरसाना में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

18–19 सितंबर को लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर प्रशासन अलर्ट, श्रीजी व लाडो गेट से प्रवेश, जयपुर मंदिर से निकासी

बरसाना, मथुरा। ऐतिहासिक राधाष्टमी उत्सव को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 18 और 19 सितंबर को बरसाना में उमड़ने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम आवागमन और सुरक्षित दर्शन को लेकर बरसाना डाक बंगले में समन्वय गोष्ठी हुई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत और अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. अमरेश कुमार ने संयुक्त रूप से की। बैठक में तय किया गया कि

राधारानी मंदिर में श्रद्धालुओं का प्रवेश श्रीजी गेट और लाडो गेट से होगा। दोनों गेटों की छोटी और बड़ी सीढ़ियों से प्रवेश की व्यवस्था रहेगी। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं की निकासी जयपुर मंदिर की ओर से एक दिशा में कराई जाएगी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बॉक्स फॉर्मेशन में श्रद्धालुओं का मूवमेंट कराया जाएगा। मेला क्षेत्र को विभिन्न जोन और सेक्टर में बांटकर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती की जाएगी। गोष्ठी के बाद अधिकारियों ने मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम गोवर्धन सुशील कुमार सिंह, सीओ गोवर्धन अनिल कुमार सिंह, अधिशासी अधिकारी कल्पना बाजपेई, प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्गों और व्यवस्थाओं का पालन करते हुए सुगमता से दर्शन करने की अपील की है।

सम्पादकीय.....

भ्रष्टाचार की शपथ!

हमारे समाज में भ्रष्टाचार का वायरस व्यवस्था की रगों में किस कदर घर कर चुका है उसकी बानगी पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकाय के जनप्रतिनिधियों की हरकत से उजागर हुई। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल होता दिखा, जिसमें पार्षद राउंड टेबल के चारों ओर खड़े होकर शपथ लेते नजर आए कि वे भ्रष्टाचार की कमाई के बंटवारे में ईमानदारी दिखाएंगे। इस घटना के बाद खासा बवाल मचा कि कैसे भ्रष्टाचार की कमाई के लिए भी बाकायदा सिंडिकेट रूप में काम किया जा रहा है। यह वाकया हमारे समाज में व्यवस्था की सड़न को तो दर्शाता ही है, साथ ही भ्रष्टाचारियों के दुस्साहस को भी सामने लाता है। यह घटना हमारी लोकतंत्र की छोटी इकाई में चुने गए नुमाइंदों के चरित्र, सोच और इरादों को तो दर्शाती है, समाज में जीवन मूल्यों के पराभव के बिंब भी उकेरती है। समाज को यह भी संदेश देती है कि हम छोटे–छोटे लालचों के लिये कैसे पार्षद चुनते हैं। जाति, धर्म व क्षेत्र तथा संकुचित आकांक्षाओं के लिये घटिया प्रतिनिधियों को स्थानीय निकायों में अपने हितों पर कुठाराघात के लिये चुनते हैं। यह तो भविष्य बताएगा कि आने वाले समय में इन पार्षदों के खिलाफ पार्टी विशेष की तरफ से क्या कार्रवाई होती है, लेकिन यह घटना भारतीय समाज में घर करते भ्रष्टाचार की एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को जरूर उजागर कर गयी। जब देश आजाद हुआ तो राजस्थान में एक विधायक ऐसा चुना गया, जिसके पास जयपुर जाकर शपथग्रहण में शामिल होने का बस किराया भी नहीं था। बाद में लोगों ने चंदा एकत्र करके उस विधायक को जयपुर भेजा था। आज हमारी जनप्रतिनिधि संस्थाओं में सैकड़ों करोड़पति–अरबपति जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति समाज में आर्थिक विषमता की तसवीर उकेरती है। गाहे–बगाहे सामने आने वाले आंकड़े बताते हैं कि विधायक व सांसद बनने के बाद उनकी आय दिन दोगुनी–रात चौगुनी गति से बढ़ती है। अगले चुनाव में वे अपनी संपत्ति का जो दिखाई दे सकने वाला ब्योरा जारी करते हैं, उसमें यह समृद्धि स्पष्ट नजर आती है। निस्संदेह हम जानते हैं कि हमारी व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार समाज को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। तमाम अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में भ्रष्टाचार की वैश्विक सूची में हमारी स्थिति शर्मसार करने वाली है। लेकिन भ्रष्टाचार को लेकर हमारी उदासीनता दुर्भाग्यपूर्ण है, सरकारों के स्तर पर भी और समाज के भी। बहरहाल, उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर की नगर परिषद के पार्षदों द्वारा हाथ में जल लेकर ऊपरी कमाई को ईमानदारी से बांटने की खबर परेशान करती है। यह घटना सवाल उठाती है कि नगर निगमों की जो बदहाली है उसके मूल में क्या यह निगम की आय की बंदरबांट ही है? सवाल यह भी है कि जिस दल के ये पार्षद हैं उसने क्या ऊपरी कमाई के लिए शपथ मामले में कोई कार्रवाई की? प्रश्न यह भी कि जिला प्रशासन ने इस मामले में कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? जैसे कि अक्सर ऐसे मामलों में कार्रवाई करने के बजाय सिर्फ लीपापोती ही होती है, इस मामले में भी ऐसा हुआ है। शीर्ष अधिकारी की दलील थी कि इस संदर्भ में कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है। क्या समाज हित में स्वतरू संज्ञान लेते हुए कार्रवाई नहीं की जा सकती? प्रश्न यह भी कि क्या कोई विपक्षी दल का नेता अपने राजनीतिक नफा–नुकसान के लिए मामला दर्ज कराएगा तभी ऐसे मामले में कार्रवाई होगी? बड़ा सवाल इस मामले में समाज की उदासीनता का भी है? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि समाज में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार ऐसे लोगों के साथ अन्याय होता है जिनका इसमें कोई कसूर नहीं होता। लेकिन उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। यह भी कि व्यक्ति भ्रष्टाचार के खिलाफ तब आवाज उठाता है जब वह पीड़ित होता है। अन्यथा वह इसे नजरअंदाज कर देता है। बल्कि बहुत सारे लोग इसे सुविधा शुल्क के रूप में स्थापित करने की कुत्सित कोशिश भी करते हैं। जब तक भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रतिरोध के सुर प्रबल नहीं होते हमारे समाज में यह संकट बना रहेगा।

झूठे आंकड़ों की गूंज!

डॉ. दीपक पाचपोर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा कि– दुनिया, युद्ध–संकट, सप्लाई चेन में बाधा और कोविड के बाद की आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, लेकिन इन परिस्थितियों के बावजूद भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही उन्होंने मुल्क की जनता को विदेश यात्रा न करने और सोना खरीदने की फिर से नसीहत दी।

शिवेश गर्ग

अर्थव्यवस्था के दूसरे सभी मापदंड सरकार की ओर से बताए गए जीडीपी के इस दर की गवाही नहीं दे रहे हैं। अगर रोजगार और निवेश जैसे दो अहम मापदंडों की बात करें तो जब अर्थव्यवस्था इतनी तेज गति से आगे बढ़ रही है तो मुल्क में गुणवत्ता वाली अच्छी नौकरियां क्यों नहीं पैदा हो रही है। मुल्क में बेरोजगारी की दर आज चरम पर है। और न ही विदेशी और निजी निवेश में कोई बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। तो क्या यह महज संयोग की बात है मोदी सरकार जो भी आंकड़े लेकर आ रही है वह सवालों के घेरे में आ जा रहा है। चंदा चोरी और कॉकरोच आंदोलन के बरअक्स लगातार फजीहत झेलने के बाद अभी चार दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आंखें चमका–चमका कर भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़े जीडीपी के आंकड़े मुल्क को ऐसे बतला रहे थे गोया उन्हें कोई जादुई चिराग हाथ लग गया हो। सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल–जून में भारत की जीडीपी बढ़ोतरी दर 7.8 प्रतिशत रही। यों तो चींटी जैसे छोटे प्राणी को छोड़कर तिनका कभी किसी डूबते के लिए सहारा नहीं बन सकता। मगर प्रधानमंत्री इस आंकड़े को लेकर जिस अंदाज में इंस्टाग्राम वीडियो जारी कर जब मुल्क को संबोधित कर रहे थे तब तो ऐसा ही लगा जैसे किसी डूबते को तिनके का सहारा मिल गया हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा कि– दुनिया, युद्ध–संकट, सप्लाई चेन में बाधा और कोविड के बाद की आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, लेकिन इन परिस्थितियों के बावजूद भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही उन्होंने मुल्क की जनता को विदेश यात्रा न करने और सोना खरीदने की फिर से नसीहत दी। इस मौके पर भी वे गांधी परिवार और खासतौर से राहुल गांधी को लेकर अपनी परंपरागत कुंठा को छिपा नहीं सके। उन्होंने निराशा फैलाने वालों और झूठ की गूंज जैसे जुमलों को इस्तेमाल किया जो सीधे तौर पर कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी की ओर इशारा था। वैसे, प्रधानमंत्री का इंस्टाग्राम वाला यह बयान इस मायने में भी विरोधाभासी है कि अगर मुल्क इस रफ्तार से तरक्की कर रही है, तो आखिर मुल्क की जनता को विदेश भ्रमण न करने और सोना न खरीदने की नसीहत क्यों दी जा रही है। जाहिर है जीडीपी को लेकर सरकार की ओर से जो ताजा आंकड़े पेश किए गए हैं, वे झूठे हैं। इन झूठे आंकड़ों पर सबसे वाजिब सवाल उठाया है पूर्व वित्त सचिव सुभाष गर्ग ने। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025–26 के लिए पहेल जीडीपी करीब 86.05 लाख करोड़ बतायी गई थी, लेकिन नए वित्त–वर्ष की उसी तिमाही का यह आंकड़ा घटकर तकरीबन 80 लाख करोड़ रह गया है यानि करीब 6 लाख करोड़ से ज्याद का ही अंतर है। सुभाष गर्ग के मुताबिक यह आंकड़ा असल में 2.6 प्रतिशत का है। उनका मौलिक सवाल है कि पिछले साल के आंकड़ों में इतना बड़ा संशोधन क्यों हुआ और इसका मौजूदा बढ़ोतरी दर पर क्या असर पड़ा? एक पुरानी कहावत है कि झूठ तीन प्रकार के होते हैं– झूठ, सफेद झूठ और आंकड़े। असल में यह बाजीगरी जीडीपी के गणना के तरीके के साथ की गयी है। सवाल है कि जिस तरीके से सरकार ने जीडीपी की गणना की है क्या वह मुल्क की सभी आर्थिक गतिविधियों को समाहित कर पाया है? अर्थव्यवस्था के दूसरे सभी मापदंड सरकार की ओर से बताए गए जीडीपी के इस दर की गवाही नहीं दे रहे हैं। अगर रोजगार और निवेश जैसे दो अहम मापदंडों की बात करें तो जब अर्थव्यवस्था इतनी तेज गति से आगे बढ़ रही है तो मुल्क में गुणवत्ता वाली अच्छी नौकरियां क्यों नहीं पैदा हो रही है। मुल्क में बेरोजगारी की दर आज चरम पर है। और न ही विदेशी और निजी निवेश में कोई बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। असंगठित क्षेत्र तकरीबन बर्बादी के कगार पर पहुंच चुका है। मोदी सरकार की ओर से असंगठित क्षेत्र को दिए गए नोटबंदी, जीएसटी, कोरोना महामारी जैसे तमाम झटकों के बावजूद आज भी मुल्क मे तकरीबन 85 फीसदी से अधिक रोजगार असंगठित क्षेत्र ही पैदा करता है। जानकारों का मानना है कि जब अर्थव्यवस्था को लगातार इस तरह के गैरवाजिब झटकों का समाना करना पड़ा हो, संगठित क्षेत्र के संकेतकों के आधार पर असंगठित क्षेत्र की गतिविधियों का अनुमान करना आंकड़ों की बाजीगरी ही है। बहरहाल, दूसरी ओर जिस चीज में तेजी से बढ़ोतरी हुई है वह आवश्यक वस्तुओं की महंगाई है। बीते दिनों में दूध, चीनी, प्याज और अंडे की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। चीन 56 रुपये के बढ़कर 62 रुपये तक आ गई है। दूध की कीमत अब 93 रुपये से बढ़कर 102 रुपये पहुंच गई है। बीत दिनों में जिन आवश्यक चीजों में बढ़ोतरी हुई है अगर यहां सबका जिक्र किया जाने लगे तो काफी कागद कारे करने पड़ेंगे। मुद्दे की बात है कि मुल्क में जनता तबाह और परेशान है। बनारस में विकास बता रहा है कि वह और उसका घर डूब रहा है और मुल्क के प्रधानमंत्री बतला रहे हैं कि चारों ओर खुशियां ही खुशियां ही फैल रही है। कहीं प्रधानमंत्री उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान के खुशियों की तो बात नहीं कर रहे हैं। फिलहाल तो सरकार की ओर से जीडीपी से जुड़े आंकड़ों की जो गूंज पैदा की गई है– वह झूठे हैं।

नया तेल संकट ज्यादा दूर नहीं

अरविन्द मोहन

यह कहना तो सरासर गलत होगा कि नई दिल्ली में हुए ब्रिक्स सम्मेलन और उसमें जुटे दिग्गजों को दुनिया की खबर न होगी और यमन के हुती विद्रोहियों की जीत का पता न होगा। या फिर खाड़ी में फिर से जंग की स्थिति और सऊदी तेल ठिकानों पर बमबारी से कीमतों में उछाल का पता न होगा। दुनिया की खबर में तो ईरान, रूस और चीन ही नहीं सऊदी अरब भी बड़ा साझीदार हैं और दिल्ली सम्मेलन ने दूसरे देश पर हमला जैसे भारी विवादास्पद मामले में ईरान और सऊदी अरब के बीच एक घोषणापत्र पर सहमति बनाकर दुनिया को चौंकाया भी। ईरान और सऊदी अरब सचमुच दुश्मन की तरह लड़ रहे हैं और अगर वे शांति की घोषणा के पक्ष में आते हैं तो यह ब्रिक्स की बड़ी सफलता थी। लेकिन दिल्ली की बैठक शुरू होने के पहले ही ईरान और अमेरिका फिर से उलझ कर पश्चिम एशिया के संकट के साथ तेल की कीमतों में नई आग लगा चुके थे। होर्मुज एक बार फिर तेलवाहक जहाजों के लिए संकट का मार्ग बन गया है और वहां आ जा रहे जहाजों के साथ ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात समेत खाड़ी के अनेक निशाने बमबारी का ठिकाना बने। इसमें अमेरिका अगुआ रहा जबकि उसके जहाजों को भी निशाना बनाए जाने की खबर आई। और हम लोग अतिथियों के सत्कार और सुरक्षा के लिए शानदार आयोजन में लगे रहे तब तक दुनिया में कच्चे तेल की कीमत करीब बीस फीसदी ऊपर पहुंच गई। अब सरकारी आयोजन से और तैयारियों को हम किस मुंह से गलत बताएंगे लेकिन जिस तरह से हमारी मीडिया भी पश्चिम एशिया के इस विवाद के बढ़ने के साथ तेल की कीमतों वाले सवाल को भूली हुई थी वह हैरान करने वाला है। जबकि यह भी हुआ कि इस संकट की परछाई हमारे शेयर बाजारों और अर्थव्यवस्था के अन्य पक्षों पर पड़ी और उससे स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लग जाता है। हम यह तो बताते रहे कि ब्रिक्स देशों में दुनिया की कितनी आबादी है और दुनिया के जीडीपी में उनका हिस्सा किताना है। हम यह भी बताते रहे कि अमेरिका और यूरोप ही नहीं हमारे पड़ोसी पाकिस्तान में इस आयोजन और इसकी सफलता को लेकर जितना जलन है। अमेरिकी राष्ट्रपति नए सचमुच में ऐसे बयान दिए भी। उनके इन बयानों और ईरान पर हमले के पीछे उनकी अपनी नीति भी है और एक किस्म की अनिवार्यता भी। लेकिन हुती विद्रोहियों ने इसी बीच जिस आसानी से बाब एल मांदेब द्वीप समेत कई नए द्वीपों और इलाकों पर अपना कब्जा जमा लिया वह दुनिया में तेल की आपूर्ति के रास्ते में नई बाधा बनकर सामने आया। और कोढ़ में खाज की तरह ट्रम्प का यह बयान भी इसी के साथ आ गया कि अमेरिका की हुती विद्रोहियों के साथ बातचीत हुई है और वे अमेरिका द्वारा कार्रवाई न करने की मांग कर रहे हैं। इस मांग पर हमें कोई आपत्ति नहीं है। पिछली बार तीन साल पहले जब इन विद्रोहियों का इस द्वीप पर कब्जा हुआ था तो लाल सागर से तेल की आपूर्ति आधी रह गई और स्वेज नहर होकर आने वाला परिवहन भी प्रभावित हुआ। इस कब्जे के पहले रोज 93 लाख बैरल तेल वहां से गुजरता था जो घटकर 46 लाख बैरल रह गया। इस बार उनकी जीत ज्यादा बड़े इलाके में हुई है और माना जा रहा है कि वे तेल आपूर्ति वाले जहाजों को ज्यादा परेशान करेंगे, ज्यादा वसूली करेंगे। और अगर अमेरिका उनके खिलाफ कार्रवाई में चूका तो बाकी दुनिया के लिए खतरा बढ़ेगा। ट्रम्प की इस बात पर यकीन करने वाले कम लोग नहीं हैं क्योंकि होर्मुज और तेल के धंधे में नई दिलचस्पी लेने के बावजूद अमेरिका पहली बार सऊदी अरब समेत खादी के अपने मित्र देशों को ईरानी हमले के मामले में अकेला जैसा बना दिया है जबकि इन देशों से उसने सुरक्षा संधि कर रखी है। अभी पिछले नवंबर में ही ट्रम्प और सऊदी सुल्तान मोहम्मद बिन सलमान के बीच रक्षा समझौता हुआ था। असल में ट्रम्प अमेरिका में अपनी कमजोर राजनैतिक स्थिति के मद्देनजर ऐसी सारी गारंटियों को भूल रहे हैं क्योंकि अमेरिकी लोग बाहर सैन्य दखल का नाम सुनते ही और भड़क जाते हैं। दूसरी ओर वे तेल की कमाई से अमेरिकी खजाना भरकर अपनी राजनीति चमकाना भी चाहते हैं। वेनेजुएला का तेल वे अपना मानकर बेच ही रहे हैं और होर्मुज पर नियंत्रण के माध्यम से वे मध्य पूर्व के तेल बाजार से मलाई खाना चाहते हैं। अब उनकी जो भी राजनैतिक और आर्थिक मजबूरियां हों दुनिया उनकी योजना से ही चले यह जरूरी नहीं है। दिल्ली में सऊदी अरब और ईरान का एक घोषणापत्र पर सहमत होना उनको पसंद नहीं आ सकता। इसी तरह मक्का संधि के जरिए सऊदी अरब ने अपनी सुरक्षा का वैकल्पिक रास्ता भी बनाया है। लेकिन अमेरिका अगर हुती विद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई से हिचकता है या शांत बैठ जाता है तो दुनिया का तेल संकट और बढ़ेगा और अभी अगर कच्चा तेल 110 डालर प्रति बैरल पहुंचा है तो कल कहां तक जाएगा यह कहना मुश्किल है। अभी ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद छिड़ी जंग के समय होर्मुज से आवाजाही बंद हुई या बहुत कम हो गई थी। उस पूरे ब्यौरे में जाने की जरूरत नहीं है लेकिन तब यह हुआ कि चीन ने तेल का आयात काफी कम कर दिया और तेल के जहाज होर्मुज की जगह लाल सागर से आने जाने लगे। कीमतें बढ़ीं लेकिन वैसी नहीं जितनी इस बार लगा रही हैं। इस बार का खतरा बड़ा होने की वजह सिर्फ हुती जमात की कारस्तानी नहीं है। उससे कच्चे तेल के साथ रिफाइंड तेल अर्थात डीजल और पेट्रोल की आवाजाही भी प्रभावित होगी। भारत जैसे देश नए पिछले संकट के समय चुप्पी सी साधी और रूस से काफी कच्चा तेल लाकर रिफायनिंग करके निर्यात किया और अच्छी कमाई करके अर्थव्यवस्था को अच्छी स्थिति में कर लिया। इस बार रिफाइन्स तेल की आवाजाही रुकेगी या प्रभावित होगी तो भारत समेत काफी देश तो प्रभावित होंगे ही डीजल–पेट्रोल के ग्राहक पिट जाएंगे। अमेरिका में अभी ही जिस रफ्तार में डीजल की कीमतें साल भर में दो गुना तक हो गई हैं उससे साफ है कि वहां ज्यादा कोहराम होगा। दूसरे यूक्रेन–रूस लड़ाई में, जिसका ब्रिक्स घोषणापत्र में जिक्र भी नहीं हुआ, रूस की तेल उत्पादन क्षमता प्रभावित हुई है। उनकी रिफायनिंग क्षमता तो नष्ट हुई ही है तेल निकालना भी कम हुआ है। ऐसे में अगर मौजूदा संकट के प्रति ब्रिक समेत दुनिया के सभी सक्रिय राष्ट्र समूह पहल नहीं करेंगे तो तेल का नया वैश्विक संकट आएगा ही।

डॉ.बुशरा बानो के साथ खड़े रहने का वक्त

प.बंगाल की आईपीएस अधिकारी डॉ. बुशरा बानो प. मेदिनीपुर के खड़गपुर में एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस के तौर पर काम कर रही थीं। अब उनका तबादला कर दिया गया है। उन्हें स्टेट आर्म्ड पुलिस की चौथी बटालियन का डिप्टी कमांडेंट नियुक्त किया गया है। सरकारी–प्रशासनिक सेवाओं में तबादले आम बात है, इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन डॉ.बुशरा बानो का तबादला महज सरकारी प्रक्रिया नहीं है, यह एक मुसलमान महिला अधिकारी के प्रति सरकार की नफरत का निस्संकोच इजहार है। विपक्ष जब कहता है कि संविधान खतरे में है, राहुल गांधी जब कहते हैं कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने वे निकले हैं, तो ये सब महज बयानबाजी नहीं है, इसके गहरे निहितार्थ हैं। संविधान ने सबको समानता का अधिकार दिया है। समानता का मतलब यह कि किसी भी नागरिक के साथ धर्म, जाति, भाषा, लिंग, आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। सत्ता पर बैठे लोगों से सबसे पहले उम्मीद की जाती है कि वे संविधान की गरिमा को हर हाल में बनाए रखेंगे, ताकि जनता भी उनसे प्रेरणा लेकर संविधान के अनुकूल व्यवहार करे। अगर ऐसा होने लगे तो देश को सही अर्थों में खुशहाल बनने में जरा वक्त नहीं लगेगा। लेकिन भाजपा की प्राथमिकता में देश की खुशहाली कहीं नजर नहीं आती। उसे केवल हिंदुत्व का आतंक कायम करना है, ताकि नफरत के दम पर उसकी सत्ता बची रहे। बुशरा बानो प्रकरण इसी आतंक की एक बानगी है।

दरअसल बुशरा बानो ने एक निजी वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने यूपीएससी की तैयारी करने वालों का हौसला बढ़ाया। 13 सितंबर के वीडियो में, 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी बुशरा बानो ने बताया कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की रेजिडेंशियल कोचिंग एकेडमी (आरसीए) ने उन्हें यूपीएससी की तैयारी में मदद की। उन्होंने कहा कि वे खुद से यूपीएससी की तैयारी कर रही थीं, लेकिन आरसीए ने जो पाठ्य सामग्री, परीक्षा के पर्चे आदि उपलब्ध करवाए, उससे उन्हें मदद मिली। उन्होंने यूपीएससी देने वाले अभ्यर्थियों को सलाह दी कि वे भी आरसीए की सुविधाओं का लाभ उठाएं और अपने वतन की खिदमत करें। इस वीडियो में बुशरा बानो ने वंदे मातरम या जय हिंद नहीं कहा, लेकिन शुरुआत उन्होंने अस्सलामुअलैकुम से की, बीच में कहीं इंशाअल्लाह कहा और आखिर में जजाकल्लाह कहा। पाठकों जानते हैं कि नमस्कार, सतश्रीअकाल, हैलो, जय सियाराम, जय जिनेन्द्र की तरह अस्सलामुअलैकुम अभिवादन का एक तरीका है, इसका मतलब होता है आप सलामत रहें। इंशाअल्लाह का मतलब है भगवान की मर्जी हुई तोश यानी होइहि सोइ जो राम रचि राखा और जजाकल्लाह का मतलब है अल्लाह आपको (इसका) अच्छा इनाम दे यानी जुग जुग जियो, भगवान तुम्हारा भला करे, रब राखा जैसा सद्वचन। अस्सलामुअलैकुम, इंशाअल्लाह और जजाकल्लाह में कुछ भी गैरकानूनी नहीं है। लेकिन दूसरे धर्मों खासकर इस्लाम से घृणा करने वाले चंद कट्टर हिंदुओं ने उर्दू, फारसी, अरबी भाषा को भी शायद गैरकानूनी मानना शुरु कर दिया है, इसलिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के एक हैंडल हिंदू लीगल फंड ने इस वीडियो की शिकायत बंगाल के गृह सचिव से। उसने आरोप लगाया कि डॉ.बुशरा बानो ने अपनी बात की शुरुआत अस्सलाम–अलैकुम से की, इंशाल्लाह कहा, जजाकल्लाह पर बात खत्म की। उन्होंने वंदे मातरम या जय हिंद का इस्तेमाल नहीं किया। इस हैंडल के मुताबिक भारतीय राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कार्यरत अधिकारी को निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए और सार्वजनिक बातचीत में राष्ट्रीय शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके बाद इस वीडियो को सुदर्शन टीवी ने दिखाया और फिर वही नफरती बातें की और कुछ ही वक्त में डॉ.बानो का तबादला हो गया। मतलब प.बंगाल की सुवेन्दु अधिकारी की भाजपा सरकार ने संविधान पर चलने की जगह कट्टरपंथी हिंदुओं की बातों को मान कर फैसला लिया। डॉ.बानो की शिकायत करने वालों का कहना है कि भारतीय राज्य के अधिकारी को निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए। तो फिर प्रधानमंत्री ने जब मंत्रोच्चार के बीच सेंगोल के साथ संसद के नए भवन में प्रवेश किया था, राम मंदिर का शिलान्यास किया था, उसकी प्राण प्रतिष्ठा में हिस्सा लिया था, जब अनगिनत मंचों से प्रधानमंत्री, गृहमंत्री जय श्रीराम कहते हैं, जब रक्षा मंत्री रफाएल विमानों पर नींबू–मिर्ची बांधते हैं, कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री कांवड़ियों के पैर छूने, उन पर फूल बरसाने का काम करते हैं, अपने पुलिस अधिकारियों को कांवड़ियों की सेवा में लगाते हैं, धार्मिक शोभायात्राओं में पुलिस अधिकारी कलावा बांध कर हिस्सा लेते हैं, कई बार पद ग्रहण करते वक्त पूजा पाठ करवाते हैं, तब क्या ये सब निष्पक्षता का परिचय देते हैं। ऐसी घटनाओं की सूची इतनी लंबी बन जाएगी कि जिससे पूरी पृथ्वी नापी जा सकेगी। लेकिन कभी किसी हिंदू हैंडल ने हिंदुत्व के भौंडे प्रदर्शन पर सरकार से शिकायत की हो, याद नहीं पड़ता। लेकिन डॉ. बुशरा बानो का मुसलमान होना ही ऐसी दंडात्मक कार्रवाई के लिए पर्याप्त है। अगर बुशरा की जगह कोई हिंदू नाम होता, तो अब तक मोदी सरकार, भाजपा, संघ उनका सम्मान कर रहे होते, उनके जीवन को महिला सशक्तीकरण की मिसाल बताते। वैसे जिन्हें धर्म से फर्क नहीं पड़ता, उनके लिए बता दें कि कन्नौज के सौरिख गांव में जन्मीं बुशरा बानो ने महज 20 साल में एमबीए किया, फिर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से पीएचडी की, साथ ही नेट और जेआरएफ भी क्वालिफाई कर दिया। शादी के बाद वे अपनी पति के साथ सऊदी अरब चली गईं। वहां बतौर प्रोफेसर काम किया, लेकिन उनका मन अपने देश हिंदुस्तान में काम करने का था, तो यहां लौटीं और फिर साल 2018 में यूपीएससी की परीक्षा पास की थी। इंडियन रेलवे ट्रैफिक सर्विस के लिए उनका चयन हुआ, मगर उस समय दूसरे बच्चे से गर्भवती थी, इस वजह से वो सेवा में शामिल नहीं हो सकीं, बाद में उन्होंने 2019 में फिर से परीक्षा दी और ऑल इंडिया 234 रैंक हासिल की। इस बार उनका चयन भारतीय पुलिस सेवा में हुआ। गृहस्थ जीवन, दो बच्चों को संभालने के साथ उन्होंने यह सफलता हासिल की। तीन बड़े ऑपरेशन होने के बावजूद आईपीएस के कठिन शारीरिक प्रशिक्षण की चुनौती भी पार की और अंततरू 30 साल की आयु में प.बंगाल कैडर से पुलिस अधिकारी बनीं। मानसिक और शारीरिक चुनौतियों को डॉ.बुशरा बानो ने आड़े आने नहीं दिया, उनके परिवार ने उनका साथ दिया और अपनी प्रतिभा के दम पर वे आगे बढ़ती रहीं, लेकिन भाजपा–संघ की नकारात्मक राजनीति ने एक मुसलमान महिला अधिकारी के साथ बिना गलती के कैसी नाइंसाफी की है, यह अब देश देख रहा है। डॉ.बुशरा बानो इस चुनौती को भी पार कर लेंगी, अब देश को देखना है कि वो किसके साथ खड़ा रहेगा और संविधान की रक्षा किस तरह करेगा।

पीएम मोदी की लंबी उम्र में लिए शाम 6 से 7 दिया जलाएं... प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर कंगना रनौत ने की देशवासियों से अपील

एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने उनके नेतृत्व की तारीफ की और भारत की तरक्की के सफर का जिक्र किया। इंस्टाग्राम पर क्वीन ने पीएम मोदी के लिए एक खास मैसेज शेयर किया और उनके 25 साल के पब्लिक लाइफ को देश की सेवा, समर्पण और जन–कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का एक प्रेरणादायक अध्याय बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री के अच्छे स्वास्थ्य, लंबी उम्र और देश की सेवा करने की शक्ति बनी रहने की भी प्रार्थना की। अपना वीडियो शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी 25 साल की पब्लिक लाइफ देश की सेवा, समर्पण और जन–कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का एक प्रेरणादायक अध्याय रही है। मैं ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य, लंबी उम्र और देश की सेवा करने की शक्ति बनी रहने की प्रार्थना करती हूं। विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने का संकल्प आपकी लीडरशिप में नई ऊर्जा पाता रहे। जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, मोदी जी ! एक वीडियो मैसेज में, कंगना ने मौजूदा ग्लोबल हालात के बारे में बात की और कहा कि भारत खुशकिस्मत है कि 2014 से यहां एक स्थिर और सुधारवादी सरकार है। उन्होंने देश की तरक्की का श्रेय भारत के लोगों और पीएम मोदी को दिया। उन्होंने कहा, आज प्रधानमंत्री का जन्मदिन है। हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि हमें उनकी बेहतरीन और स्थिर लीडरशिप मिली है। भारत के आर्थिक सफर पर बात करते हुए, उन्होंने 2014 से पहले देश की स्थिति और उसके बाद हुई ग्रोथ का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत फ्रैजाइल 5 (कमजोर अर्थव्यवस्थाओं के समूह) का हिस्सा माने जाने की स्थिति से निकलकर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। तनु वेड्स मनु की एक्ट्रेस ने कहा, 2014 से पहले का समय याद कीजिए, जब किसी फिल्मी ड्रामैटिक प्लॉट की तरह पूरा देश भूख, गरीबी और गंदगी से जूझ रहा था। दुनिया हमें फ्रैजाइल 5 कहती थी। हम 11वीं सबसे संघर्षशील अर्थव्यवस्था थे। आज, हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं और हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, दोस्तों, 2047 के लिए उनका संकल्प–जन सेवा से राष्ट्र सेवा– उसका हिस्सा बनें। आज, हम अपने प्रधानमंत्री की लंबी उम्र के लिए मोमबत्ती जलाते हैं। और उसके लिए प्रार्थना करते हैं। जय हिंद। जय भारत। पीएम मोदी को उनके 76वें जन्मदिन पर मशहूर हस्तियों, राजनीतिक नेताओं और प्रशंसकों से बधाई संदेश मिले।

'रामायणम' के 'जय जय राम' के लिए अरिजीत सिंह ने दिए 200 से ज्यादा टेक, सामने आया दिलचस्प किस्सा

'रामायणम' के मेकर्स ने गणेश चतुर्थी के मौके पर फिल्म का पहला गाना 'जय जय राम' रिलीज कर इसके संगीतमय सफर की शुरुआत कर दी है। अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल की आवाज से सजे इस भक्ति गीत को ए.आर. रहमान ने कंपोज किया है, जबकि इसके बोल डॉ. कुमार विश्वास ने लिखे हैं। गाने को लेकर अब रिकॉर्डिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा सामने आया है। एक स्वतंत्र सूत्र के मुताबिक, अरिजीत सिंह इस गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान भावनाओं में इस कदर डूब गए थे कि उन्हें 200 से ज्यादा टेक देने पड़े। सूत्र के मुताबिक, अरिजीत रिकॉर्डिंग के दौरान गाने के हर टेक के भाव को पूरी तरह महसूस कर रहे थे। बताया गया कि वह इस भावना में इतने डूब जाते थे कि उससे बाहर नहीं निकलना चाहते थे। आखिरकार उन्होंने गाने की तकनीकी बारीकियों के बजाय उसकी भावना और भक्ति को प्राथमिकता दी और खुद को पूरी तरह गाने में समर्पित कर दिया। रिकॉर्डिंग से जुड़ा यह किस्सा बताता है कि 'जय जय राम' को सिर्फ एक गाने की तरह नहीं, बल्कि उसकी भावनात्मक गहराई के साथ पेश करने पर कितना ध्यान दिया गया। 'जय जय राम' को फिल्म के ट्रेलर को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद रिलीज किया गया है। मेकर्स के मुताबिक, 'रामायणम' के ट्रेलर को सभी प्लेटफॉर्म्स पर 1 बिलियन से ज्यादा डिजिटल व्यूज मिल चुके हैं। ऐसे में फिल्म से जुड़ी हर नई अपडेट को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है। 'जय जय राम' में अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल की आवाज के साथ ए.आर. रहमान का संगीत और डॉ. कुमार विश्वास के बोल इसे फिल्म के अहम म्यूजिकल ट्रैक के तौर पर पेश करते हैं। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायणम' को बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे। नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज ने क्छम्ळ और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के साथ मिलकर फिल्म का निर्माण किया है। भारत को छोड़कर दुनियाभर में सोनी पिक्चर्स फिल्म को रिलीज करेगी। 'रामायणम' का पार्ट वन दिवाली 2026 पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है।

'राइज एंड फॉल सीजन 2' का प्रोमो जारी, वीरेंद्र सहवाग की मेजबानी में 15 सेलिब्रिटीज के बीच होगा खेल

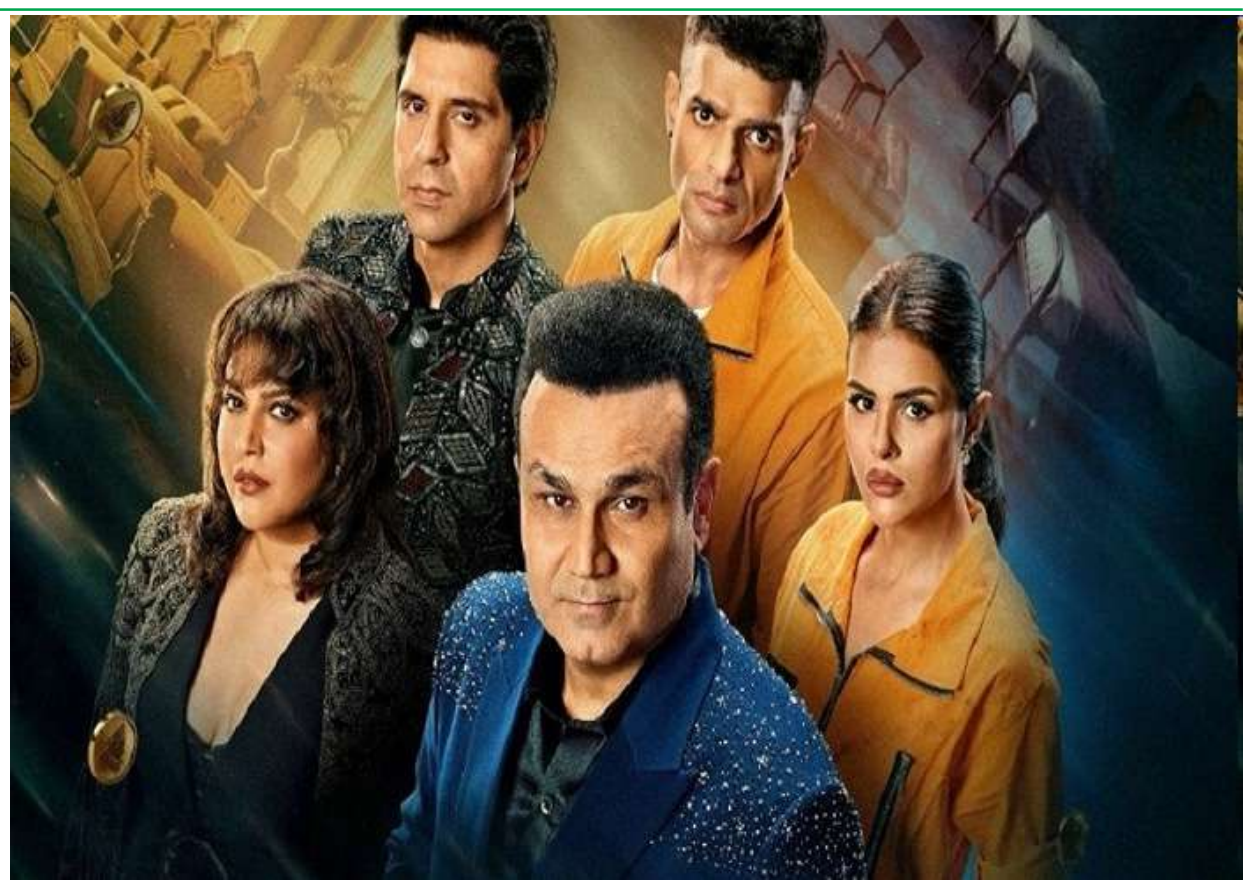

प्राइम वीडियो ने अपने चर्चित रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल सीजन 2' का नया प्रोमो जारी कर दिया है। बनिजय एशिया द्वारा निर्मित इस शो में इस बार 15 सेलिब्रिटीज एक साथ नजर आएंगे। 42 दिनों तक चलने वाले इस खेल में रणनीति, बदलते रिश्ते, गठजोड़ और कई अप्रत्याशित मोड़ देखने को मिलेंगे। शो की मेजबानी भारत के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग कर रहे हैं। अपने बेबाक अंदाज और मजेदार बातचीत के लिए मशहूर सहवाग कंटेस्टेंट्स के बीच बदलते समीकरणों और ताकत के खेल पर नजर रखते दिखाई देंगे। 'राइज एंड फॉल सीजन 2' की सबसे खास बात इसका अलग फॉर्मेट है। शो के 15 कंटेस्टेंट्स को दो हिस्सों में बांटा जाएगा। एक ग्रुप आलीशान पेंटहाउस में 'रूलर्स' के तौर पर रहेगा, जबकि दूसरे ग्रुप को साधारण बेसमेंट में 'वर्कर्स' की तरह रहना होगा। टास्क, फैसलों और बदलते गठजोड़ के साथ कंटेस्टेंट्स की स्थिति भी लगातार बदलती रहेगी। यानी जो खिलाड़ी शुरुआत में ताकतवर स्थिति में है, वह किसी भी वक्त नीचे जा सकता है और नीचे से शुरुआत करने वाला कंटेस्टेंट अपनी रणनीति के दम पर ऊपर पहुंच सकता है। जारी किए गए प्रोमो में शो के शुरुआती चार कंटेस्टेंट्स की झलक देखने को मिलती है। इनमें स्वरा भास्कर, शहजाद पूनावाला, प्रियंका चाहर चौधरी और करण पटेल शामिल हैं। स्वरा अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं, वहीं शहजाद पूनावाला राजनीति की रणनीति से अलग एक नए तरह के मुकाबले का हिस्सा बनने जा रहे हैं। प्रियंका चाहर चौधरी पहले भी रियलिटी शोज का हिस्सा रह चुकी हैं, जबकि करण पटेल इस बार स्क्रिप्टेड टीवी ड्रामा से बाहर निकलकर अपनी रणनीति और सहनशक्ति को परखते नजर आएंगे। चारों कंटेस्टेंट्स ने शो में अपने सफर और चुनौती को लेकर उत्साह जाहिर किया है। प्रियंका चाहर चौधरी ने कहा कि उन्होंने रियलिटी टेलीविजन को अलग–अलग रूपों में देखा है, लेकिन इस शो में रूलर से वर्कर बनने और अपने फैसलों के आधार पर अपनी स्थिति बदलते देखना उनके लिए नया अनुभव होगा। स्वरा भास्कर ने कहा कि अलग–अलग सोच और नजरिए वाले लोगों के साथ ताकत और रणनीति का खेल दिलचस्प समीकरण बनाएगा। करण पटेल ने कहा कि उन्हें सही समय पर फैसला लेने, उस पर भरोसा करने और बदलते खेल के हिसाब से खुद को ढालने की चुनौती उत्साहित कर रही है। वहीं, शहजाद पूनावाला ने कहा कि इस खेल में केवल अपनी बात रखना ही काफी नहीं होगा, बल्कि फैसलों के जरिए उसे साबित भी करना होगा। 'राइज एंड फॉल सीजन 2' के नए एपिसोड 26 सितंबर से रोजाना दोपहर 12 बजे जारी होंगे। दर्शक इसे एमएक्स प्लेयर पर प्राइम वीडियो के जरिए मुफ्त में देख सकेंगे। शो को मोबाइल डिवाइसेज, कनेक्टेड टीवी, अमेजन शॉपिंग ऐप और फायर टीवी पर भी देखा जा सकेगा।

विजय देवरकोंडा–रश्मिका मंदाना ने पूरी की 'राणाबाली' की शूटिंग, नए पोस्टर में दिखा दमदार अंदाज

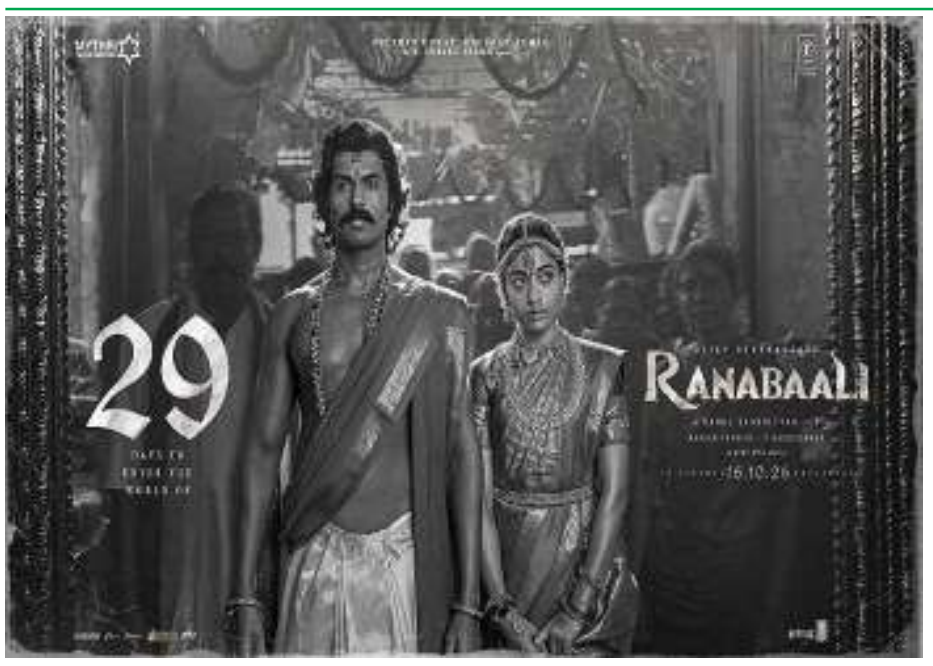

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की मच अवेटेड फिल्म 'राणाबाली' को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फिल्म अब पोस्ट–प्रोडक्शन के दौर में पहुंच चुकी है और इसकी रिलीज में महज 29 दिन बाकी हैं। मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग पूरी होने का ऐलान करने के साथ नया मोनोक्रोम पोस्टर भी शेयर किया है। 'राणाबाली' 16 अक्टूबर 2026 को दशहरा के मौके पर ग्रैंड वर्ल्डवाइड रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म के नए पोस्टर में विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना का बिल्कुल अलग अवतार देखने को मिल रहा है। विजय फिल्म में 'राणाबाली' की भूमिका में पारंपरिक ऐतिहासिक वेशभूषा में दमदार नजर आ रहे हैं, जबकि रश्मिका 'जयम्मा' के किरदार में दिखाई दे रही हैं। पोस्टर का मोनोक्रोम लुक फिल्म की कहानी के गंभीर और इंटेंस माहौल को दर्शाता है। दोनों की जोड़ी एक बार फिर पर्दे पर साथ नजर आने वाली है, जिसे लेकर फैंस पहले से ही काफी एक्साइटेड हैं। मेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, "राणाबाली और जयम्मा 29 दिनों में आपसे मिलेंगे। शूटिंग पूरी हो गई! शानदार सिनेमा देखने के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है। ग्रैंड रिलीज दुनिया भर में 16.10.26 को होगी।" फिल्म की घोषणा के बाद से ही मेकर्स कैरेक्टर पोस्टर, गानों और अलग–अलग झलकियों के जरिए दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाते रहे हैं। फिल्म में विजय और रश्मिका की जोड़ी पहली बार से अलग और ज्यादा रॉ अवतार में नजर आने वाली है। राहुल संकृत्यायन के निर्देशन में बनी 'राणाबाली' अच्छाई और बुराई के बीच की कभी न खत्म होने वाली लड़ाई पर आधारित कहानी बताई जा रही है। फिल्म की थीम दशहरा के मूल भाव से भी जुड़ी है, जहां अच्छाई की बुराई पर जीत को प्रमुखता दी जाती है। मेकर्स ने इसे प्री–दशहरा वीकेंड पर रिलीज करने का फैसला किया है। बड़े प्रोडक्शन स्केल, इंटेंस कहानी और अजय–अतुल के संगीत से सजी यह फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

रूम फ्रेशनर छोड़िए, कमरे में लगाइए ये 3 फूल वाले पौधे, इन्हें गमले में उगाना भी है आसान

कमरे में बंद हवा, खाना बनाने की गंध या लंबे समय तक खिड़की–दरवाजे बंद रहने से कई बार कमरे में अजीब सी बदबू आने लगती है। ऐसे में लोग अक्सर कमरे को खुशबूदार बनाने के लिए अलग–अलग तरह के सुगंध वाले सामान इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि कमरे में कुदरती खुशबू रहे, तो कुछ फूलों वाले पौधे भी अच्छा विकल्प हो सकते हैं। भारत में कई ऐसे खुशबूदार फूल हैं जिन्हें गमले में उगाया जा सकता है। इनमें कुछ पौधों को अच्छी रोशनी मिलने पर घर के अंदर भी रखा जा सकता है।

मोगरा

मोगरे का नाम आते ही उसकी मीठी और तेज खुशबू याद आती है। इसके छोटे सफेद फूलों की खुशबू खासकर शाम और रात के समय काफी अच्छी लगती है। मोगरे को गमले में आसानी से लगाया जा सकता है और सही देखभाल के साथ यह लंबे समय तक फूल भी दे सकता है।

अगर आप इसे कमरे में रखना चाहते हैं तो खिड़की के पास ऐसी जगह चुनें, जहां इसे अच्छी धूप मिले। कमरे के किसी अंधेरे कोने में रखने से पौधे की बढ़त और फूल आने पर असर पड़ सकता है।

कैसे रखें: खिड़की के पास, जहां अच्छी प्राकृतिक रोशनी आती हो।

खुशबूरू मीठी और तेज

खास बातः फूल आने पर कमरे में कुदरती खुशबू फैलाने के लिए अच्छा विकल्प।

गंधराज

अगर आपको सफेद फूल और तेज खुशबू पसंद है तो गंधराज का पौधा आपके घर के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके सफेद फूलों से निकलने वाली खुशबू काफी तेज होती है और आसपास का माहौल महका देती है।

गंधराज को गमले में उगाया जा सकता है। इसे घर के अंदर रखते समय ऐसी जगह चुनें जहां अच्छी रोशनी मिले। मिट्टी में पानी जमा न रहने दें और पौधे को जरूरत के हिसाब से पानी दें।

कैसे रखें: रोशन खिड़की के पास या ऐसी जगह जहां पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी हो।

खुशबूरू तेज और मीठी

खास बातः सफेद फूल कमरे को खूबसूरत भी बनाते हैं और अच्छी खुशबू भी देते हैं।

रजनीगंधा

रजनीगंधा अपने नाम की तरह रात के समय अपनी खुशबू के लिए खास तौर पर जाना जाता है। इसके सफेद फूलों की खुशबू काफी तेज होती है और थोड़े से फूल भी आसपास की जगह को महका सकते हैं।

इसे गमले में लगाया जा सकता है और घर के अंदर भी रखा जा सकता है। लेकिन इसे भी अच्छी रोशनी की जरूरत होती है। इसलिए कमरे में रखने के लिए खिड़की के पास की जगह ज्यादा सही रहेगी।

कैसे रखें: ऐसी खिड़की के पास जहां पर्याप्त रोशनी आती हो।

खुशबूरू तेज और लंबे समय तक रहने वाली

खास बातः शाम और रात के समय इसकी खुशबू ज्यादा महसूस हो सकती है।

पौधों को कमरे में रखते समय इन बातों का रखें ध्यान

खुशबूदार फूलों के पौधे कमरे को अच्छा माहौल दे सकते हैं, लेकिन इन्हें लंबे समय तक बंद और अंधेरे कमरे में रखना सही नहीं है। पौधों को प्राकृतिक रोशनी और हवा की जरूरत होती है। अगर आपका कमरा बहुत कम रोशन है तो पौधों को कुछ समय के लिए बालकनी, खिड़की या ऐसी जगह रख सकते हैं जहां उन्हें पर्याप्त रोशनी मिले। साथ ही जरूरत से ज्यादा पानी देने से बचें, क्योंकि गमले की मिट्टी में लगातार पानी जमा रहने से पौधे की जड़ें खराब हो सकती हैं।

संतोषी मां है पुत्री तो शुभ- लाभ हैं पुत्र, जानिए कौन- कौन है गणपति बप्पा के परिवार में

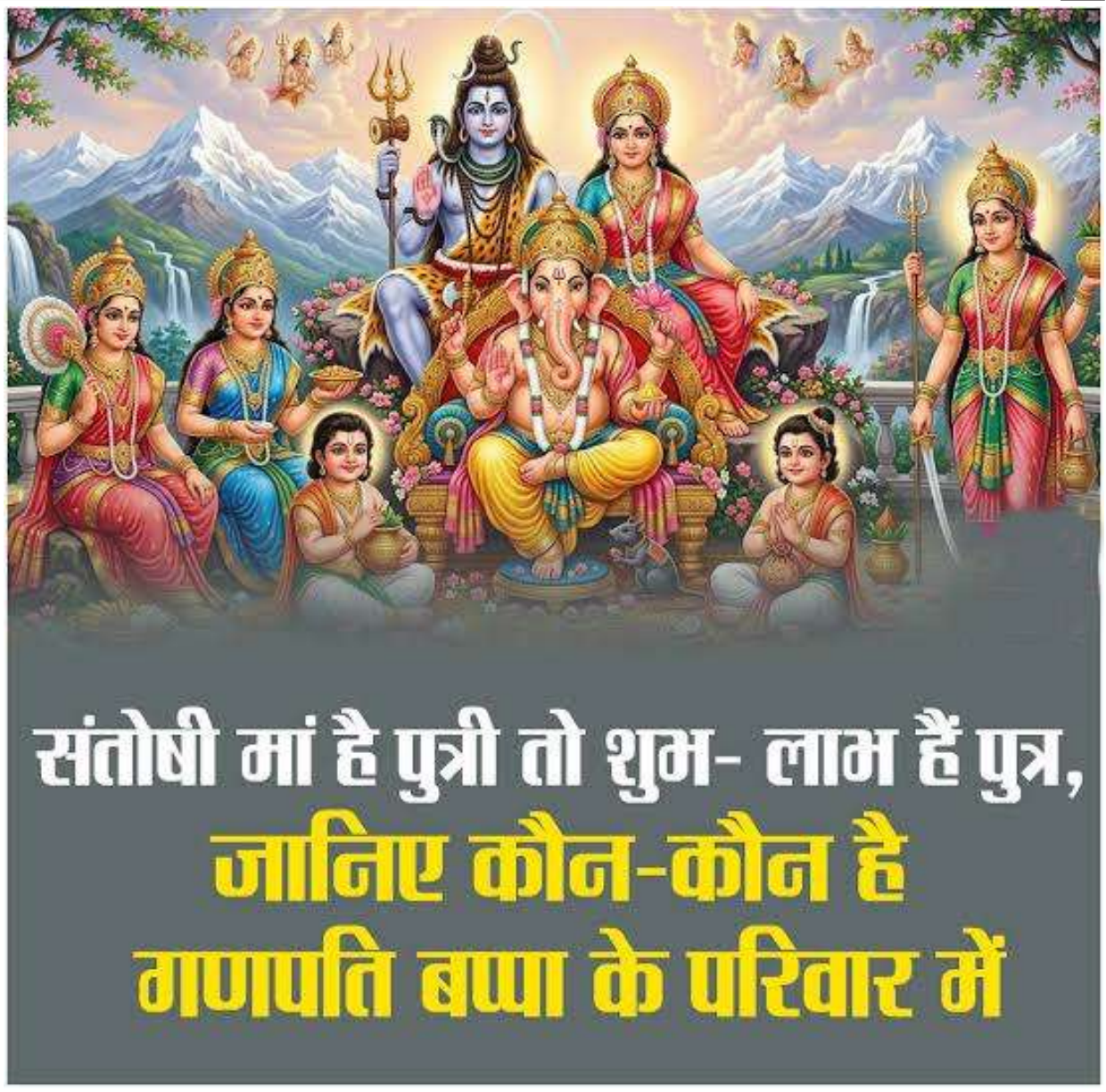

हिंदू किसी भी नए काम या यात्रा को शुरू करने से पहले भगवान गणेश की पूजा करते हैं, क्योंकि उनका मानना है कि गणेश जी का आशीर्वाद उन्हें सफलता दिलाएगा। गणेश जी में सफलता में रुकावट डालने वाली बाधाओं को दूर करने की शक्ति है। हममें से ज्यादातर लोग भगवान महादेव के दिव्य परिवार के बारे में जानते हैं, लेकिन हममें से कितने लोग सच में गणपति बप्पा के परिवार के बारे में जानते हैं? रिद्धि और सिद्धि से लेकर शुभ, लाभ, तुष्टि, पुष्टि, आनंद, प्रमोद और संतोषी तक गणपति के दिव्य परिवार में हर सदस्य का एक खास स्थान और सुंदर महत्व है। चलिए आज जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

रिद्धि और सिद्धि हैं भगवान गणेश की पत्नियां

भगवान गणेश शुभता, बुद्धि और ज्ञान के देवता हैं। उनके भाई कार्तिकेय और बहन अशोक सुंदरी हैं। गजानन की दो पत्नियां हैं– रिद्धि और सिद्धि। सिद्धि का अर्थ है आध्यात्मिक शक्ति, जबकि बुद्धि का अर्थ है समझ–बूझ या बुद्धि। चूंकि गणेश जी ज्ञान और आध्यात्मिक विद्या के देवता हैं, इसलिए उनकी पत्नियां भी इन्हीं गुणों को दर्शाती हैं। गणेश पुराण के अनुसार, ब्रह्मा जी ने गणेश जी के सम्मान में एक अनुष्ठान करते हुए उनकी पूजा की थी। इस अनुष्ठान में जो दो चीजें भेंट की गईं, वे थीं सिद्धि और बुद्धि, ये दोनों उनकी बुद्धि से ही उत्पन्न हुई थीं। गणेश जी ने उन्हें अपनी पत्नियों के रूप में स्वीकार किया।

भगवान गणेश के हैं दो पुत्र

भगवान गणेश के दो पुत्र हैं शुभ और लाभ। शुभ हमारे अर्जित पुण्य, धन, ज्ञान और ख्याति को सुरक्षित रखते हैं। सीधा अर्थ है हमारे पुरुषार्थ से कमाई गई हर वस्तु को सुरक्षित रखते हैं, उसे क्षय नहीं होने देते और धीरे–धीरे उसे बढ़ाते हैं। लाभ का काम निरंतर उसमें वृद्धि देने का है। लाभ हमें धन, यश आदि में निरंतर बढ़ोत्तरी देता है। ओमः श्री गणेशाय नमः, रिद्धि सिद्धि शुभ लाभ इस मंत्र में गणेश जी और उनके पूरे परिवार से आशीर्वाद मांगा जाता है भक्तों का मानना घ्छै कि यदि गणेश जी अकेले आते हैं, तो उनके घर में अधिक समय तक रुकने की संभावना कम होती है और वे जल्द ही अपने परिवार के पास लौट जाते हैं।

संतोषी मां है भगवान गणेश की पुत्री

तुष्टि भगवान गणेश के बड़े पुत्र शुभ की पत्नी हैं। वहीं पुष्टि भगवान गणेश के छोटे पुत्र लाभ की पत्नी हैं। धार्मिक कथाओं में इनके पुत्रों (गणेश जी के पौत्रों) के नाम आनंद (शुभ और तुष्टि के पुत्र) और प्रमोद (लाभ और पुष्टि के पुत्र) है। गणेश की बेटी, संतोषी मां संतोष की देवी हैं।संतोषी मां के जन्म की कहानी तब शुरू होती है जब मनसा (गणेश की बहन) उनके साथ एक त्योहार मनाने आती हैं। उनके बेटे गणेश से एक बहन की मांग करते हैं। गणेश ने अपनी पत्नियों, रिद्धि और सिद्धि से निकली दो ज्वालाओं से संतोषी मां को बनाया। नारद ने आदेश दिया कि गणेश की मन से पैदा हुई बेटी हमेशा सबकी इच्छाएं पूरी करे। इसलिए, उन्हें संतोषी मां, यानी संतोष की देवी के रूप में जाना जाता है।

दूध से भी नहीं पूरी होगी कैल्शियम की जरूरत!

45 की उम्र के बाद खाएं ये 5 चीजें

उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों और जोड़ों की सेहत पर ध्यान देना और भी जरूरी हो जाता है। खासकर 45 साल की उम्र के बाद शरीर की पोषण संबंधी जरूरतों में बदलाव आने लगता है। हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए कैल्शियम अहम भूमिका निभाता है। आमतौर पर कैल्शियम का नाम आते ही सबसे पहले दूध याद आता है, लेकिन ऐसा नहीं है कि इसके लिए सिर्फ दूध पर ही निर्भर रहना पड़े। आपकी रसोई में कई ऐसी चीजें मौजूद हैं, जिन्हें डाइट में शामिल करके कैल्शियम की जरूरत पूरी करने में मदद मिल सकती है।

रागी

रागी यानी फिंगर मिलेट कैल्शियम से भरपूर अनाजों में शामिल है। इसमें कैल्शियम के साथ फाइबर भी पाया जाता है। 45 की उम्र के बाद आप इसे अपनी डाइट में रोटी, डोसा, चीला या दलिया के रूप में शामिल कर सकते हैं। इससे खाने में स्वाद के साथ पोषक तत्वों की विविधता भी बनी रहती है।

तिल

सफेद और काले दोनों तरह के तिलों में कैल्शियम पाया जाता है। इन्हें रोज के खाने में शामिल करना भी काफी आसान है। आप तिल की चटनी बना सकते हैं, सलाद या सब्जी के ऊपर डाल सकते हैं या फिर तिल से बने लड्डू खा सकते हैं। हालांकि, तिल में कैलोरी और फैट भी होता है, इसलिए इन्हें जरूरत से ज्यादा खाने से बचना चाहिए।

सोया और टोफू

सोयाबीन और इससे बने खाद्य पदार्थ, जैसे टोफू, भी कैल्शियम के अच्छे स्रोत हो सकते हैं। खासकर जो लोग दूध ा या दूसरे डेयरी प्रोडक्ट्स कम लेते हैं, उनके लिए टोफू एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसे सब्जी, सलाद या स्टिर–फ्राई जैसी डिश में आसानी से शामिल किया जा सकता है। हालांकि, टोफू में कैल्शियम की मात्रा ब्रांड और उसे बनाने की प्रक्रिया के अनुसार अलग–अलग हो सकती है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, केल, सरसों का साग और दूसरी हरी पत्तेदार सब्जियों में भी कैल्शियम पाया जाता है। इन्हें सब्जी, सूप या दाल में मिलाकर खाया जा सकता है। अलग–अलग तरह की हरी सब्जियां खाने से शरीर को कैल्शियम के अलावा कई दूसरे जरूरी पोषक तत्व भी मिलते हैं।

दही और दूसरे डेयरी प्रोडक्ट्स

अगर आप दूध नहीं पीना चाहते तो दही, पनीर और दूसरे डेयरी प्रोडक्ट्स भी डाइट में शामिल किए जा सकते हैं। खासकर कम चीनी वाला दही रोज के खाने के साथ लिया जा सकता है। वहीं पनीर को सब्जी, सलाद या हल्के स्नैक के तौर पर खाया जा सकता है।

सिर्फ कैल्शियम पर निर्भर न रहें

हड्डियों की सेहत के लिए सिर्फ कैल्शियम लेना ही काफी नहीं है। शरीर कैल्शियम का सही तरीके से इस्तेमाल कर सके, इसके लिए विटामिन ब भी जरूरी है। इसके साथ संतुलित डाइट, नियमित शारीरिक गतिविधि और जरूरत के अनुसार हेल्थ चेकअप भी महत्वपूर्ण हैं। अगर आपको हड्डियों से जुड़ी कोई समस्या है या कैल्शियम की कमी की आशंका है, तो डॉक्टर की सलाह के बिना कैल्शियम सप्लीमेंट शुरू करने के बजाय पहले विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है।

सब्जी की ग्रेवी और सूप का स्वाद बढ़ाने के लिए आजमाएं दादी-नानी के Kitchen Hacks

खाना बनाना किसी कला से कम नहीं है। स्वादिष्ट भोजन बनाने के लिए सिर्फ मसाले ही नहीं, बल्कि सामग्री का सही अनुपात और छोटी–छोटी तकनीकों पर भी निर्भर करता है। यदि रसोई में काम करते समय हमें कई छोटी–मोटी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि अदरक–लहसुन के सही संतुलन का पता न होना या पेस्ट की कड़वाहट से सब्जी का स्वाद बिगड़ जाना। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि दादी–नानी के 4 अचूक और बेहद उपयोगी किचन हैक्स। ये आसान नुस्खे न सिर्फ आपके भोजन का स्वाद दोगुना करेंगे, जबकि किचन कामों को भी बेहद आसान और समय बचाने वाला बना देंगे।

खाने का स्वाद बढ़ाएंगे ये 4 कुकिंग हैक्स

पहला नुस्खा

अक्सर हम सभी घर में ग्रेवी बनाते हैं, तो अंदाजा नहीं लगता है कि अदरक कितनी पीसी जाए और लहसुन कितना डालें? इसलिए आपको इसकी सही मात्रा का ध्यान रखना है।

दादी–नानी का नुस्खा– ग्रेवी के लिए अदरक और लहसुन का पेस्ट तैयार करते समय हमेशा लहसुन की मात्रा 60 प्रतिशत रखें और अदरक की मात्रा 40 प्रतिशत रखना चाहिए, क्योंकि अदरक का स्वाद बहुत तीखा होता है।

नुस्खा 2

इस मौसम में हर किसी को सूप पीना अच्छा लगता है। लेकिन सूप का असली मजा तो सर्दियों में ही आता है। ऐसे में सर्दियों जैसा स्वाद पाने के लिए क्या तरीका आजमाएं।

दादी–नानी का नुस्खा– टमाटर का सूप बनाते समय उसे उबालते वक्त एक ही मिर्च, लहसुन की एक कली और अदरक का एक छोटा टुकड़ा डाल दें। यह आपके सूप को स्वादिष्ट बनाएगा।

नुस्खा 3

ज्यादातर लोग अपने घर पर पिज्जा बनाते हैं। चीज को कद्दूकस करते समय कुछ चीज मशीन (ग्रेटर) में ही चिपक कर रह जाता है, जो ठीक से नहीं निकल पाता है। इसके लिए लोग कई बार परेशान रहते हैं।

दादी–नानी का नुस्खा– सबसे पहले चीज को कददूकस कर लें और फिर मशीन को साफ करने के लिए उस पर एक आलू कदूकस कर लें। इसमें छेद में फंसा हुआ चीज आसानी से निकल जाएगा और ग्रेटर पूरी तरह क्लीन हो जाएगा।

विशेष टिप– जब आप ग्रेवी सब्जी बनाते हैं, तो मसाले में पिसा हुआ नारियल डालते हैं, तो उसे ज्यादा देर तक न भूनें।

संक्षिप्त

सेमीकॉन इंडिया में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स करेगी 16 वैश्विक समझौतों पर हस्ताक्षर

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स यूरोप, जापान, सिंगापुर और भारत की कंपनियों के साथ सेमीकॉन इंडिया सम्मेलन में 16 समझौतों पर हस्ताक्षर करेगी। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रणधीर ठाकुर ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि गुजरात के धोलेरा में कंपनी का विनिर्माण संयंत्र (फैब) और असम में पैकेजिंग संयंत्र सरकार के साथ किए गए निर्धारित वादों को पूरा करने की दिशा में सही गति से आगे बढ़ रहे हैं। चिप और सेमीकंडक्टर को 'भविष्य का उद्योग' करार देते हुए ठाकुर ने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर की कहानी का अगला अध्याय लिखने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''पांच साल पहले इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन शुरू किया गया था। आज 12 कारखाने अलग–अलग चरणों में निर्माणाधीन हैं और हम भारत में बने चिप दुनिया भर के ग्राहकों को पहले ही निर्यात कर रहे हैं।'' ठाकुर ने कहा कि वैश्विक चिप विनिर्माण परिवेश में भारत की बढ़ती क्षमता का उल्लेख करते हुए यह बात कही। 'सेमीकॉन इंडिया 2026' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ''सेमीकंडक्टर उद्योग के साथ पूरी तरह तालमेल बैठा रही है'' और वह ऐसी अनुकूल नीतियां ला रही है, जो मजबूत सेमीकंडक्टर परिवेश की बुनियाद तैयार कर रही हैं और उसकी राह में आने वाली बाधाओं को दूर कर रही हैं। ठाकुर ने कहा, ''यह इलेक्ट्रॉनिक्स नवाचार की भारत की गति है। केवल 12 वर्षों में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग 2014 में दो लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2026 में 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।'' उन्होंने बताया कि 'सेमीकॉन इंडिया' के मौजूदा कार्यक्रम में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स 16 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेगी। ठाकुर ने कहा, ''यूरोप की नेक्सपेरिया और बीईएसआई, जापान की जेएसआर, फुजीफिल्म और सुमितोमो, मलेशिया की कॉलिंगटन, सिंगापुर की एसेंडास फर्स्ट स्पेस, भारत की एलएंडटी सेमीकंडक्टर्स, इनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स और गति शक्ति विश्वविद्यालय जैसी कंपनियां हैं। इनके अलावा अमेरिका, यूरोप और भारत के अन्य साझेदार भी हैं, जो सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला के अलग–अलग हिस्सों में विशेषज्ञता रखते हैं।'' उन्होंने कहा कि अकेले टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स में ही नई परियोजनाओं में तेजी से प्रगति हो रही है। सीईओ ने कहा, ''धोलेरा (गुजरात) में विनिर्माण संयंत्र (फैब) और असम में पैकेजिंग संयंत्र सरकार के साथ किए गए निर्धारित वादों को पूरा करने की दिशा में सही गति से आगे बढ़ रहे हैं।'' टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने रोजगार के 1.5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष अवसर सृजित किए हैं। उन्होंने साथ ही सेमीकंडक्टर साझेदारियों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने के लिए सरकार का आभार जताया।

एनएसई अपने ही प्लेटफश्वर्म पर नहीं कर सकेगा ट्रेडिंग, सेबी चीफ ने खारिज किया ऐसा कोई भी प्रस्ताव

मुंबई। सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बृहस्पतिवार को कहा कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के सूचीबद्ध होने के बाद अपने ही मंच पर कारोबार की अनुमति संबंधी बाजार नियामक के पास कोई प्रस्ताव नहीं आया है। पांडेय ने 'नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट (नैबफिड) इंफ्रास्ट्रक्चर कॉन्क्लेव 2026' से इतर पत्रकारों से कहा, ''नहीं, ऐसा कोई पत्र नहीं है और ऐसी कोई आवश्यकता भी नहीं है।'' उन्होंने कहा कि फिलहाल इस तरह के कारोबार की अनुमति नहीं दी जा सकती। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का बहुप्रतीक्षित 22,569 करोड़ रुपये का आईपीओ बृहस्पतिवार को अभिदान के लिए खुल गया। तीन दिन का यह निर्गम 21 सितंबर को बंद होगा। आईपीओ पूरी तरह मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 12.64 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) है। कंपनी ने इस निर्गम के लिए प्रति शेयर 1,700–1,785 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है। यह पूरी तरह बिक्री पेशकश है, इसलिए एनएसई को आईपीओ से कोई राशि नहीं मिलेगी। निर्गम खर्च को छोड़कर पूरी राशि बिक्री करने वाले शेयरधारकों को मिलेगी। कुछ ब्रोकर और परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों द्वारा यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने को लेकर उठाई गई चिंताओं पर पांडेय ने कहा कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) इन मुद्दों पर गौर करेगा। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इसमें कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। हम निश्चित रूप से इन पर गौर करेंगे और देखेंगे कि इन्हें कैसे आसान किया जा सकता है।'' सरकार ने 2,000 रुपये तक के यूपीआई लेनदेन पर कारोबारियों से शुल्क लेने से छूट दी है। मंगलवार को सरकार ने 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर कारोबारियों से 0.4 प्रतिशत शुल्क तय किया और 75,000 रुपये या उससे अधिक के भुगतान पर शुल्क को 300 रुपये तक सीमित किया। इसके साथ ही बड़े डिजिटल कारोबारी भुगतान के लिए एक रूपरेखा लागू की गई। वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) कारोबार पर नियामक के अध्ययन के बारे में पांडेय ने कहा कि इसके निष्कर्षों से पता चला है कि तीन से चार साल तक कारोबार करने के बाद भी कई कारोबारियों को लगातार नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि अध्ययन में कारोबार के व्यवहार को लेकर भी शोध निष्कर्ष सामने आए हैं। पांडेय ने कहा, ''कारोबार करने के तीन–चार साल बाद भी बहुत से लोगों को लगातार नुकसान हो रहा है।'' उन्होंने कहा कि निवेशकों को यह आकलन करने की जरूरत है कि वे एफएंडओ बाजार के लिए उपयुक्त हैं या नहीं। नगरपालिका बॉन्ड बाजार पर पांडेय ने नगरपालिका प्रशासन और नगर निकायों की कर्ज चुकाने की क्षमता को प्रमुख मुद्दे बताया। उन्होंने कहा, ''महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक नगरपालिका प्रशासन और नगर निकायों की कर्ज चुकाने की क्षमता है... अब नियम तैयार हैं।'' पांडेय ने कहा कि भुगतान के लिए सहारा उपलब्ध कराने को एस्क्रो व्यवस्था लागू की गई है, जबकि साझा माध्यम से वित्तपोषण के और विकल्प भी प्रस्तावित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगरपालिका निकायों की ओर से नगरपालिका बॉन्ड के जरिये धन जुटाने में अधिक भागीदारी से अन्य निकायों को भी इस बाजार का रुख करने के लिए प्रोत्साहन मिल सकता है। केंद्र सरकार नगरपालिका बॉन्ड के जरिये धन जुटाने वाले नगर निकायों को प्रोत्साहन भी दे रही है।

टीम इंडिया के सेलेक्शन पैटर्न ने दिए संकेत, अब केवल टेस्ट क्रिकेट तक सिमटा ऋषभ पंत का भविष्य

वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है और उनकी जगह ध्रुव जुरेल को चुना गया है। सीमित ओवरों के क्रिकेट में टीम मैनेजमेंट की रणनीति के चलते पंत का व्हाइट–बॉल भविष्य खतरे में नजर आ रहा है। अब वह ईरानी कप में शेष भारत टीम की कप्तानी करेंगे।

दो साल से ज़्यादा समय से भारत की वनडे टीम ऋषभ पंत के बिना ही आगे बढ़ रही है। अब, वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ तीन मैचों की सीरीज़ के लिए कई रेगुलर खिलाड़ियों के उपलब्ध न होने के बावजूद, इस विकेटकीपर–बल्लेबाज़ को फिर से नज़रअंदाज़ कर दिया गया है। पंत की जगह ध्रुव जुरेल को चुने जाने से उन्हें टीम में शामिल न करने के फ़ैसले को समझाना और मुश्किल हो गया है। श्रेयस अय्यर, ईशान किशन और अक्षर पटेल वनडे सीरीज़ के लिए उपलब्ध नहीं हैं, जिससे भारत के पास कई ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं जो आम तौर पर वनडे प्लेइंग ग्प का हिस्सा होते। उनकी गैर–मौजूदगी के बावजूद पंत की वापसी का रास्ता नहीं खुला है। इसके बजाय, वह ईरानी कप में जम्मू–कश्मीर के ख़िलाफ़ श्रेस्ट ऑफ़ इंडियाश टीम की कप्तानी करेंगे। यह एक और संकेत है कि उनके रेड–बॉल और 50–ओवर के करियर कितनी अलग–अलग दिशाओं में आगे बढ़ रहे हैं। ऋषभ पंत के मामले में माना जा रहा है कि चयनकर्ताओं ने टीम प्रबंधन के अहम सदस्यों से मिली प्रतिक्रिया को ध्यान में रखा। टीम प्रबंधन के कुछ प्रमुख सदस्यों का मानना है कि अपनी असाधारण प्रतिभा के बावजूद पंत सफेद गेंद के क्रिकेट में अब तक अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में ऋषभ पंत के व्हाइट–बॉल भविष्य पर दबाव बढ़ रहा है। पंत पहले ही ज्20 क्रिकेट में भारत की योजनाओं से बाहर हो चुके हैं और 2024 के बीच से उन्होंने कोई T20I मैच नहीं खेला है। अब, ताज़ा रिपोर्टों से पता चलता है कि उनका ODI भविष्य भी खतरे में हो सकता है क्योंकि टीम मैनेजमेंट 2027 व्क्प वर्ल्ड कप की तैयारी कर रहा है। नवंबर 2022 के बाद से पंत ने सिर्फ़ एक ODI मैच खेला है। नवंबर 2025 तक वह साउथ अफ्रीका के खिलाफ व्क्प स्क्वॉड में शामिल थे, लेकिन प्लेइंग ग्प में मौका नहीं मिला। हालांकि इसकी एक बड़ी वजह दिसंबर 2022 में हुआ जानलेवा एक्सीडेंट था। उस एक्सीडेंट की वजह से पंत काफी समय तक खेल से दूर रहे और प्व्स 2024 में ही उनकी कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी हुई। इस एक्सीडेंट का मतलब यह था कि 2022 में अपने बेहतरीन फ़ॉर्म में होने के बावजूद पंत भारत के 2023 ODI वर्ल्ड कप कैंपेन का हिस्सा नहीं बन पाए। ज्20प में संजू सैमसन और जितेश शर्मा जैसे खिलाड़ियों को उनसे ज़्यादा मौके मिलने के कारण, हो सकता है कि पंत ने भारत के लिए अपना आखिरी ज्20प खेल लिया हो। हालांकि, इस फ़ॉर्मेट की अनिश्चितता को देखते हुए यह भी कहा जा सकता है कि कुछ भी असंभव नहीं है।

शेष भारत टीमः ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), सनत सांगवान, शिखर मोहन, सुदीप घरामी, सरफराज खान(उपकप्तान), स्मरण रविचंद्रन, मानव सुथार, सारांश जैन, आकाश दीप (फिटनेस के अधीन), मुकेश कुमार, मुकेश चौधरी, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), आर्यन पांडे, अनुकूल रॉय, आयुष दोसेजा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम इंडिया ऐलान, ODI और T20I में युवा चेहरों को मौका

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 सितंबर से शुरू होने वाली वनडे और टी20 इंटरनेशनल सीरीज़ के लिए अपनी 15–सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। श्रेयस अय्यर की गैर–मौजूदगी में ऋषभ पंत की वापसी की काफी चर्चा थी, लेकिन उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई क्योंकि टीम मैनेजमेंट ने उनकी जगह ध्रुव जुरेल को चुना। पंत अब आने वाले ईरानी कप में श्रेस्ट ऑफ़ इंडियाश टीम की कप्तानी करेंगे। दूसरी ओर, एशियाई खेलों की टीम में चुने गए नितीश कुमार रेड्डी को उस टीम से हटाकर वनडे टीम में शामिल किया गया है। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि हार्दिक पांड्या अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाए हैं और खेल में वापसी नहीं कर सके हैं। भारत के वेस्टइंडीज़ दौरे में तीन वनडे और तीन T20 इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे।

भारत की वनडे टीम

शुबमन गिल ख्सी,, रोहित शर्मा, विराट कोहली, रुतुराज गायकवाड़, केएल राहुल ख्वीसी,, ध्रुव जुरेल, नितीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, औकिब नबी, यशस्वी जयसवाल, नमन धीर।

भारत की T20I टीम

श्रेयस अय्यर ख्सी,, अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन खविकेटकीपर,, संजू सैमसन खविकेटकीपर,, तिलक वर्मा ख्वीसी,, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, मयंक यादव।

T20I के लिए मयंक और प्रिंस पर विचार

जसप्रीत बुमराह को आराम दिए जाने के बाद मयंक यादव और प्रिंस यादव की ज्20प टीम में वापसी हुई है, जबकि यश ठाकुर अपनी जगह नहीं बचा पाए। दिलचस्प बात यह है कि कुलदीप यादव को वापस बुलाया गया है, क्योंकि वरुण चक्रवर्ती साइड स्ट्रेन (मांसपेशियों में खिंचाव) के कारण सीरीज़ से बाहर हो गए हैं।

रोहित की जगह बरकरार; वनडे में नबी और नमन चुने गए

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले रोहित शर्मा की जगह पर सवाल उठ रहे थे। हालांकि, मुंबई के इस बल्लेबाज ने लॉर्ड्स में शानदार पारी खेली, जिससे उन्हें टीम में बने रहने का मौका मिला। इस बीच, ठब्ब्प सचिव देवजीत सैकिया ने पूर्व भारतीय कप्तान का समर्थन किया है, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने भविष्य में बदलाव की गुंजाइश रखी है, क्योंकि यशस्वी जायसवाल को भी टीम में चुना गया है।

गेंदबाजी की बात करें तो काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद आकिब नबी को पहली बार वनडे टीम में बुलाया गया है। नमन धीर को भी टीम में जगह मिली है, जबकि ऋतुराज गायकवाड़ की वापसी हुई है और उनके चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने की पूरी संभावना है क्योंकि श्रेयस एशियाई खेलों के लिए टीम से बाहर रहेंगे।

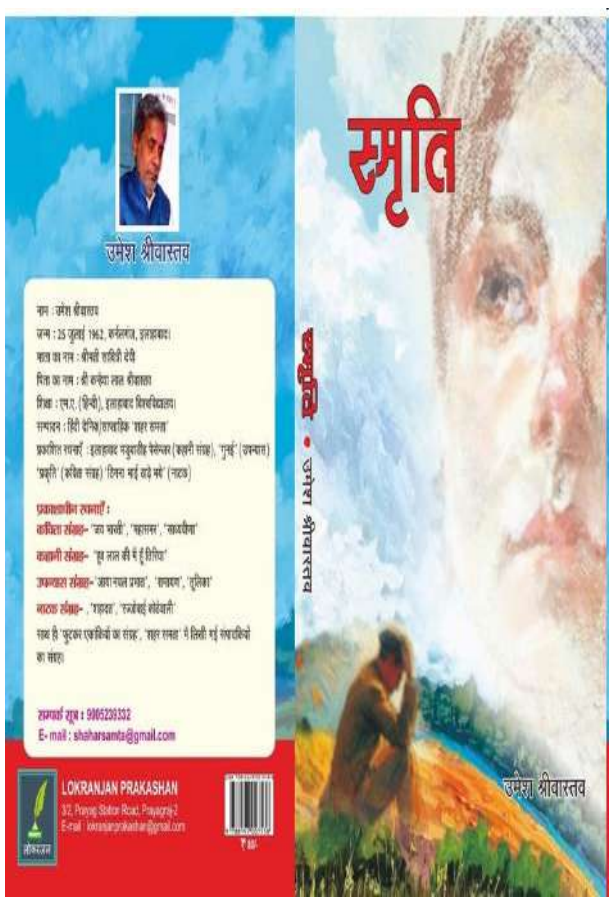

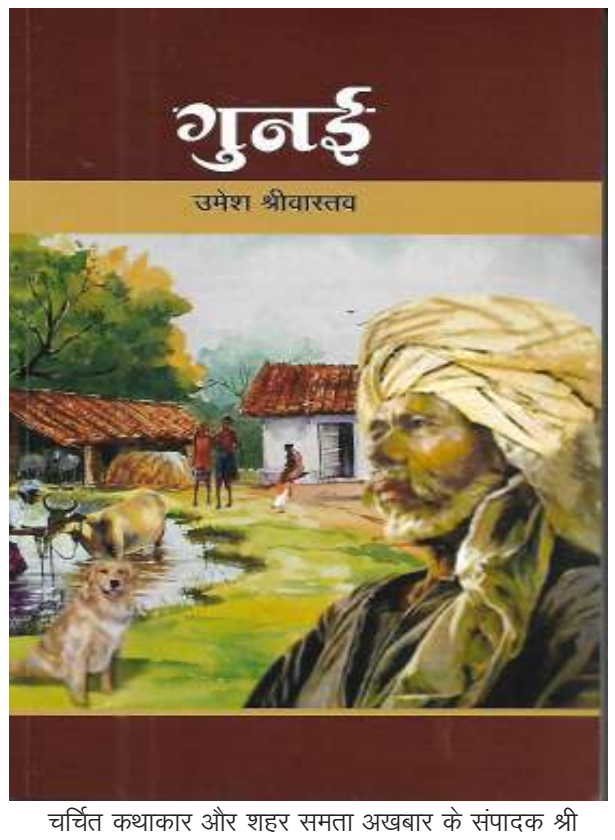

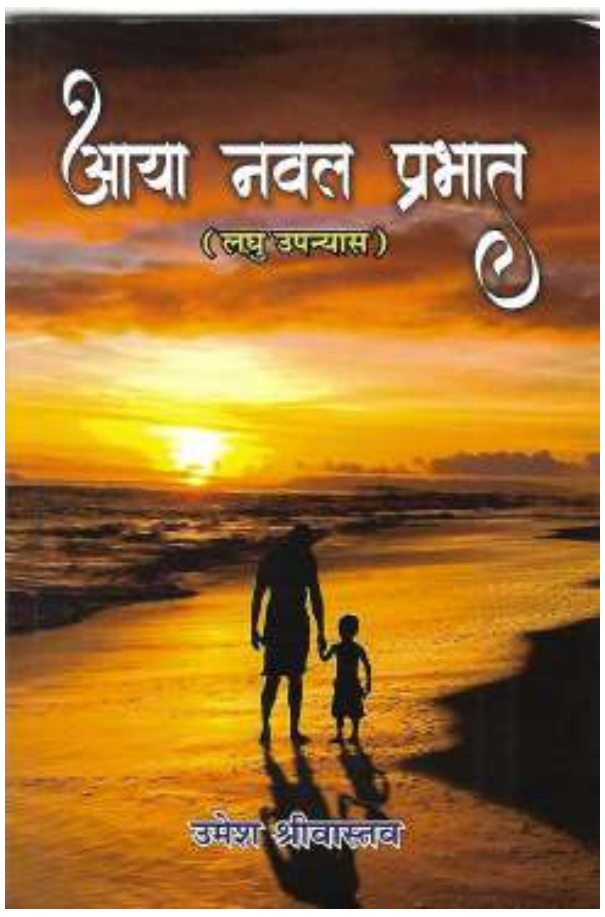

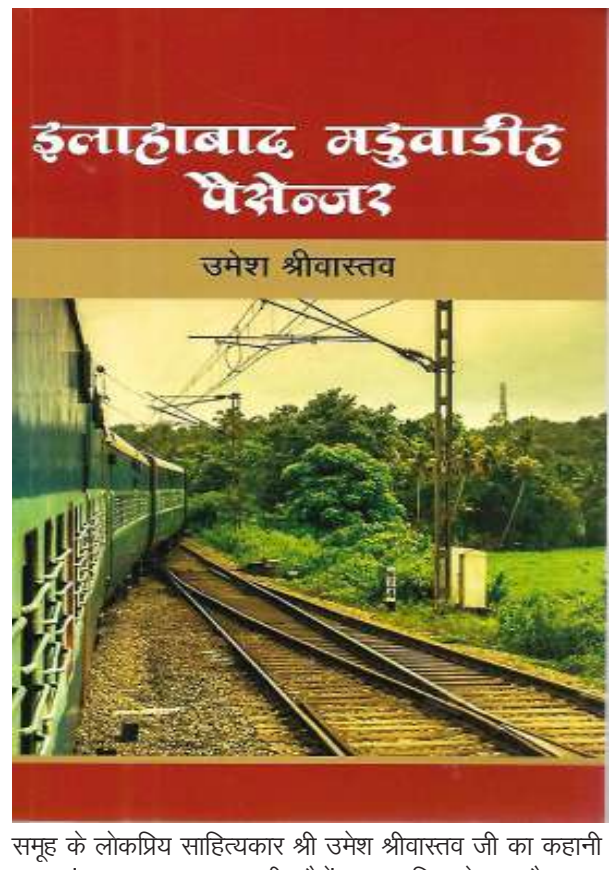

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

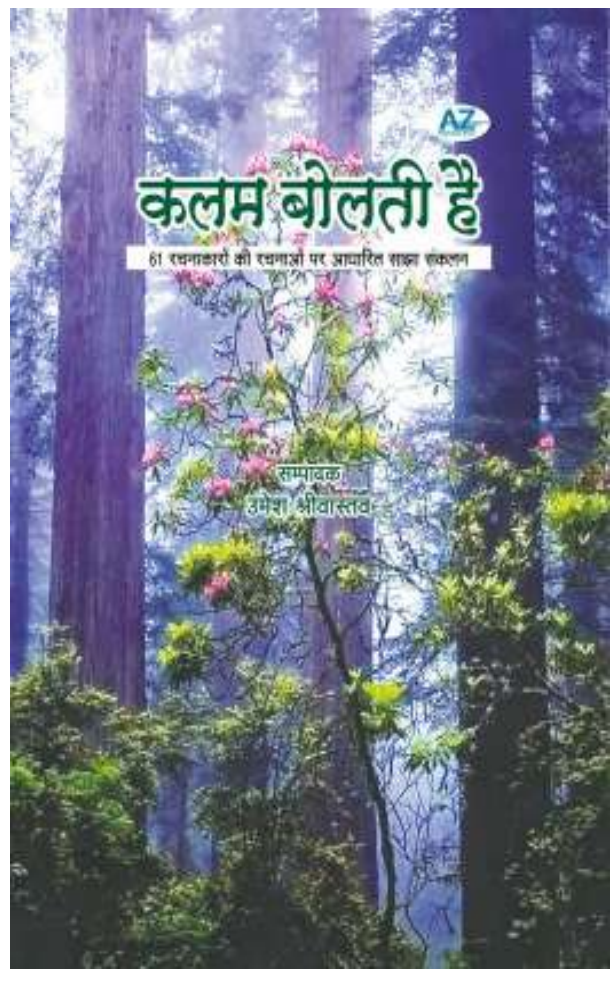

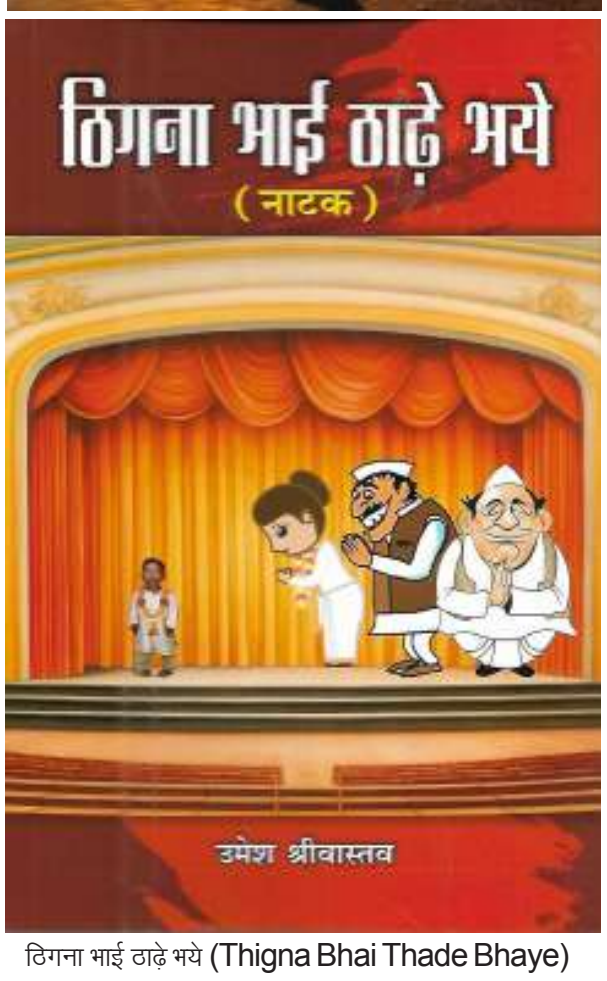

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

यूएस हाउस ने पास किया रूसी प्रतिबंध बिल, ट्रंप को मिला टैरिफ लगाने का अधिकार

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस पर प्रतिबंध लगाने तथा भारत और चीन जैसे उसके तेल एवं गैस के व्यापारिक साझेदार देशों पर भारी शुल्क लगाने का अधिकार देने के लिये अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने एक विधेयक पारित किया है। 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' को अमेरिकी सीनेट ने पिछले महीने पारित किया था। प्रतिनिधि सभा ने बुधवार शाम 262–159 मतों से इसे मंजूरी दे दी। अब इसे ट्रंप के पास भेजा जाएगा जिस पर उनके हस्ताक्षर होने के बाद यह कानून बन जायेगा। विधेयक के पक्ष में 203 रिपब्लिकन, 58 डेमोक्रेट और एक निर्दलीय सांसद ने मतदान किया। वहीं, रिपब्लिकन पार्टी के सात और 152 डेमोक्रेट सांसदों ने इस विधेयक का विरोध किया। डेमोक्रेट सांसदों का विरोध मुख्य रूप से ट्रंप को दिए जाने वाले शुल्क लगाने के अधिकार को लेकर था। इस विधेयक का नाम दक्षिण कैरोलाइना के रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के नाम पर रखा गया है, जिनका रूस के खिलाफ इस विधेयक के लिए समर्थन जुटाने में एक साल से अधिक समय बिताने के बाद जुलाई में निधन हो गया था। विधेयक पर बहस के दौरान डेमोक्रेट सांसद रिचर्ड नील ने कहा, ''हम इन राष्ट्रपति को और अधिक शुल्क लगाने का अधिकार देने के पक्ष में नहीं हैं।'' विधेयक में रूस के नेतृत्व और उसके ऊर्जा क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाने के साथ–साथ उन जहाजों के 'छद्म बेड़ों' पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है, जो मॉस्को को तेल की आपूर्ति पर लगे प्रतिबंधों से बचने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसमें ट्रंप को चीन, भारत और अन्य देशों पर कड़े शुल्क लगाने का अधिकार देने का भी प्रस्ताव है, ताकि इन देशों की रूसी तेल और गैस पर निर्भरता कम की जा सके। इसमें ईरान पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने का भी प्रावधान है। विधेयक पारित होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा, ''चीन और भारत, आपको अपना तेल और गैस कहीं और से खरीदना होगा।'' डेमोक्रेट सीनेटर जीन शहीन ने कहा, ''रूस 'शैडो फ्लीट' का इस्तेमाल करके अपना तेल और गैस बेच रहा है, जिसका मतलब है कि इसे बाजार भाव से कम कीमत पर खरीदा जा रहा है और इसकी आपूर्ति मुख्य रूप से चीन और भारत जैसे देशों को हो रही है।'' शहीन ने कहा, ''चीन रूसी तेल और गैस का सबसे बड़ा उपयोगकर्ता है और हमें केवल पुतिन ही नहीं, बल्कि चीन तथा रूसी तेल और गैस खरीदने वाले हर देश को यह कड़ा संदेश देने की जरूरत है कि इसकी कीमत उन्हें चुकानी होगी।'' यह विधेयक ऐसे समय पारित हुआ है जब चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की अमेरिका की आधिकारिक यात्रा कुछ ही दिन में होनी है। अमेरिकी सीनेट ने पिछले महीने 86–11 के भारी बहुमत से विधेयक पारित किया था, लेकिन प्रतिनिधि सभा में इसे आगे बढ़ाने की गति धीमी हो गई थी। विधेयक पर मतदान ऐसे समय हुआ है जब यूक्रेन समर्थक समूहों ने अपने पक्ष में समर्थन जुटाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। 'अमेरिकन कोएलिशन फॉर यूक्रेन' द्वारा आयोजित 'यूक्रेन एक्शन समिट' यहां जारी है। इसमें अमेरिकी सांसदों से कीव को लगातार समर्थन देने के लिए पैरवी की जा रही है।

यूएस से जल्दबाजी में समझौता नहीं करेंगे मार्क कार्नी

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मंगलवार को कहा कि कनाडा अमेरिका के साथ चल रहे ट्रेड वॉर से एक ज़्यादा मज़बूत और आत्मनिर्भर आर्थिक शक्ति के तौर पर उभरना चाहता है। इससे संकेत मिलता है कि ओटावा वॉशिंगटन के साथ जल्दबाज़ी में कोई समझौता करने के बजाय सही समय का इंतज़ार करने को तैयार है। टोरंटो में आयोजित श्कनाडा इन्वेस्टमेंट समिटश में अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के एक बड़े समूह को संबोधित करते हुए कार्नी ने कहा कि कनाडा और अमेरिका

हमेशा पड़ोसी बने रहेंगे, लेकिन यह गठबंधन तभी असरदार ढंग से काम करता है जब दोनों देश ष्सच्चे साझेदारों की तरह काम करें जो एक–दूसरे की परंपराओं और संप्रभुता का सम्मान करते होंष। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा, ष्जब वे अवसर वापस आएंगे, तो कनाडा और भी बेहतर साझेदार होगा – ज़्यादा मज़बूत, ज़्यादा लचीला और ज़्यादा स्वतंत्र। इसके अलावा, कार्नी ने बताया कि ओटावा कनाडा के चार बड़े एयरपोर्ट्स के संचालन के लिए लंबे समय के कॉन्ट्रैक्ट के ज़रिए प्राइवेट इन्वेस्टमेंट लाने की योजना बना रहा है, जबकि ज़मीन और एसेट्स पर सरकारी मालिकाना हक बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से ट्रांसपोर्ट और बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में दोबारा निवेश के लिए अरबों डॉलर जुटाने की क्षमता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सीधे ज़िक्र किए बिना, कार्नी ने अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों को चलाने वाले उस ढांचे की आलोचना की, जिसे उन्होंने तेज़ी से श्लेन–देन पर आधारितश और श्ज़ीरो–समश (एक की जीत, दूसरे की हार) वाला बताया। उन्होंने कहा, ष्एक भरोसेमंद और अनुमान लगाने योग्य पार्टनर के तौर पर हमारी साख शायद ही कभी इतनी कीमती रही हो, खासकर ऐसी दुनिया में जहां रिश्तों की जगह लेन–देन ले रहा है और श्विन–विनश (दोनों की जीत) के बजाय श्ज़ीरो–समश को प्राथमिकता दी जा रही है। कार्नी ने आगे कहा कि आर्थिक एकीकरण और राष्ट्रीय संप्रभुता के बीच टकराव बढ़ रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

ट्रंप के बेटों की कंपनी पाकिस्तान को बेचेगी लड़ाकू ड्रोन, Powerus और पाक आर्मी के बीच हुआ MoU, असीम मुनीर ने दिया बंपर ऑर्डर

अमेरिकी ड्रोन कंपनी च्वूमतने ने पाकिस्तान सेना के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें ड्रोन से जुड़ा शुरुआती ऑर्डर भी शामिल है। कंपनी के को–फाउंडर ब्रेट वेलिकोविच ने बुधवार को रॉयटर्स को यह जानकारी दी। वेलिकोविच ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए इस बारे में ज़्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि यह डील श्अनमैन्ड एरियल सिस्टमश (बिना पायलट वाले हवाई सिस्टम) की श्रेणी में आती है। उन्होंने गोपनीयता का हवाला देते हुए ऑर्डर की कीमत बताने से भी इनकार कर दिया। इस डवन पर हस्ताक्षर और शुरुआती ऑर्डर के बारे में पहले कोई जानकारी सामने नहीं आई थी। च्वूमतने, जो मिलिट्री और इंडस्ट्रियल इस्तेमाल के लिए एरियल और मैरीटाइम ड्रोन बनाती है, 'Aureus Greenway Holdings' नाम की एक पब्लिकली ट्रेडेड कंपनी के साथ मर्ज होने वाली है। इस कंपनी को यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप के दो बेटों का सपोर्ट हासिल है। दोनों कंपनियों ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि यह मर्जर अक्टूबर की शुरुआत में पूरा हो जाएगा। यूएसै रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, ट्रंप के बेटों – डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और एरिक ट्रंप – की श्अमेरिकन वेंचर्सश नाम के इन्वेस्टमेंट फंड के ज़रिए ऑरियस में हिस्सेदारी है। रेगुलेटरी फाइलिंग से पता चलता है कि मर्जर के बाद अमेरिकन वेंचर्स की संयुक्त कंपनी में 9.9% की बेनेफिशियल ओनरशिप हिस्सेदारी होने की उम्मीद है। पाकिस्तान की सेना ने बुधवार को कहा कि वेलिकोविच के नेतृत्व में श्पावरसश (च्वूमतने) के एक प्रतिनिधिमंडल ने फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर से मुलाकात की और उन्होंने रक्षा खरीद, उत्पादन और लंबे समय की क्षमता बढ़ाने पर चर्चा की। सेना के बयान में डवन का कोई ज़िक्र नहीं था। सेना के मीडिया विंग ने कामकाज के समय के बाद समझौते पर टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। यह समझौता वाशिंगटन और इस्लामाबाद के बीच सालों से खराब रहे रिश्तों के सुधरने के दौरान हुआ है। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर की तारीफ़ की है, जबकि इस्लामाबाद ने अमेरिका के साथ रिश्ते मजबूत करने के मकसद से कई आर्थिक, वित्तीय और रक्षा पहल की हैं। पावरस के फाउंडर और चीफ एग्जीक्यूटिव एंड्रयू फॉक्स ने कहा कि पाकिस्तान का प्राइवेट डिफेंस सेक्टर उभरता हुआ है, लेकिन अभी पूरी तरह परिपक्व नहीं है, जिससे अमेरिकी कंपनियों के लिए तेजी से आगे बढ़ने की गुंजाइश बनी हुई है। वेलिकोविच ने कहा मकसद एक जॉइंट टेक्नोलॉजी रिलेशनशिप बनाना होगा, जिसमें अमेरिका की बेहतरीन टेक्नोलॉजी को पाकिस्तान की बेहतरीन टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा जाएगा।ष उन्होंने यह भी कहा कि पावरस पाकिस्तान में टेक्नोलॉजी बनाने के तरीकों पर विचार कर रही है। फॉक्स ने उन सुझावों को खारिज कर दिया कि कंपनी की ग्रोथ ट्रंप के बेटों की भागीदारी से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट मेरिट के आधार पर दिए गए थे और कंपनी के षबिजनेस पक्ष में उनकी कोई भागीदारी नहींष थी।

चीन से भिड़ा यूरोप, रोज 1–बिलियन–यूरो के भारी नुक़सान से हड़कंप!

यूरोप चीन से परेशान है। परेशानी की वजह है ट्रेड डेफिसिट। चीन जिस तरीके से अपने बनाए हुए सामान दुनिया के तमाम देशों तक पहुंचाता है, उसने अब यूरोप को पूरी तरह से चिंता में डाल दिया है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सला वंडेरलेन ने सार्वजनिक तौर पर इस बात को स्वीकारते हुए कहा है कि यूरोपीय संघ चीन के साथ अपने अस्थिर व्यापारिक घाटे को कम करने के लिए हर संभव तरीका अपनाएगा। वॉन डेरलिन का कहना है कि यह संतुलन जिसमें बीते साल हर दिन 1 अरब यूरो यानी कि 1.15 अरब का सामान व्यापार घाटा हुआ था। एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है और यूरोप पहले से ही डीइंडस्ट्रियलाइजेशन के कारण दूसरे चीनी झटके का सामना कर रहा है। जून में ईयू नेताओं ने यूरोपीय आयोग से कहा था कि वह चीन के साथ बातचीत से नतीजा लाएं और यह पक्का करें कि ब्लॉक के पास अपने हितों की रक्षा करने के लिए जरूरी सभी साधनों बातचीत की अगुवाई कर रहे यूरोपीय व्यापार आयुक्त ने कहा था कि वह अक्टूबर तक ठोस नतीजे हासिल करना चाहते हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने चीन के साथ व्यापारिक असंतुलन को दूर करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करने के यूरोपीय संघ के संकल्प को दोहराया है। यूरोपीय संसद में अपने वार्षिक श्स्टेट ऑफ द यूनियनश संबोधन के दौरान, ऊर्जा और नवाचार पर शुरुआती टिप्पणियों के तुरंत बाद उन्होंने चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे का मुद्दा उठाया। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि तथाकथित दूसरा चीन झटका पहले ही आ चुका है। वॉन डेर लेयेन ने इस बात पर जोर दिया कि यूरोपीय कंपनियों को निष्पक्ष और समान प्रतिस्पर्धात्मक माहौल (लेवल प्लेइंग फील्ड) मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रूसेल्स बीजिंग के साथ बातचीत में जरूर शामिल है, लेकिन इस बातचीत के ठोस परिणाम सामने आने चाहिए। वॉन डेर लेयेन ने स्पष्ट शब्दों में कहा मैं साफ कर देना चाहती हूं कि अपने संबंधों को संतुलित करने के लिए हम अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी साधनों का इस्तेमाल करेंगे। बातें अच्छी हैं, लेकिन ठोस कदम उठाना उससे कहीं अधिक बेहतर है। उन्होंने आगे कहा कि चीन की कमजोर घरेलू मांग ने उसे यूरोपीय बाजार पर निर्भर बना दिया है, जिससे दोनों पक्षों के लिए मिलकर काम करने और समाधान निकालने का एक साझा हित पैदा होता है। इसके अलावा, उन्होंने चीनी महत्वपूर्ण कच्चे माल (क्रिटिकल रॉ मैटेरियल्स) पर ईयू की खतरनाक निर्भरता को कम करने का संकल्प भी जताया। उन्होंने संघ की खरीद प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए यूरोपियन कॉर्पोरेशन ऑन क्रिटिकल रॉ मैटेरियल्स की स्थापना के महत्व पर बल दिया। अपने संबोधन में वॉन डेर लेयेन ने कनाडा के साथ साझेदारी बढ़ाने का भी वादा किया, ताकि उसे यूरोपीय संघ का पहला श्एसोसिएट सदस्यश बनाया जा सके। चीन पर उनकी यह टिप्पणी ईयू के व्यापार प्रमुख मारोस सेफकोविक के उस हालिया बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने अक्टूबर तक ठोस नतीजों की मांग की थी, जब बीजिंग में व्यापार वार्ता का दूसरा दौर आयोजित होना है। वन डेरलिन ने यूरोपीय संसद में अपनेस्टेट ऑफ द यूनियन भाषण में कहा कि समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करना दोनों पक्षों के हित में है। जिस तरीके से उस्ला वंडेयर ने अपनी चिंताएं सबके सामने रखी और यह बताया कि किस तरीके से रोजाना अब हर दिन 1 बिलियन यूरो का यूरोप को नुकसान उठाना पड़ रहा है। उसने वाकई में बताया है कि चीन किस तरीके से सिर्फ भारत के अंदर ही ट्रेड डेफिसिट का मामला नहीं खड़ा करता है बल्कि दुनिया के तमाम देशों में किस तरीके से वह अपनी पैठ बना रहा है। इसका सीधा और साफ उदाहरण यूरोप से मिलता है।

चीन पर भारत की चढ़ाई, बंपर एक्सपोर्ट कर दिखाया दम!

भारत और चीन के बीच आर्थिक रिश्तों के मोर्चे से एक बहुत महत्वपूर्ण और चौंकाने वाला आधिकारिक आंकड़ा सामने आया है। ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार अगस्त के महीने में भारत से चीन को होने वाले निर्यात यानी एक्सपोर्ट्स पर साल दर साल आधार पर 52.35: का जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। यह आंकड़ा इसलिए भी विशेष ध्यान आकर्षित करता है क्योंकि इसी दौरान चीन से भारत आने वाले आयात यानी कि इंपोर्ट्स की वृद्धि दर केवल 17.07: रही है। यानी भारत की एक्सपोर्ट ग्रोथ रेट चीन के इंपोर्ट की तुलना में तीन गुना से भी अधिक तेज हो गई है और आर्थिक एक्सपर्ट्स और व्यापारिक एक्सपर्ट्स इसे दोनों बड़ी एशियाई अर्थव्यवस्था के बीच एक लचीले और मजबूत आर्थिक

जुड़ाव के रूप में देख रहे हैं। दरअसल बिजनेस स्टैंडर्ड और आधिकारिक सरकारी रिपोर्ट्स के अनुसार अगस्त में भारत का व्यापारिक निर्यात चीन के लिए बढ़कर 1.9 अरब डॉलर यानी 1. 9 बिलियन के पार पहुंच गया है। वहीं दूसरी ओर चीन से भारत का आयात 8.4 अरब डॉलर रहा है। लेकिन यह सकारात्मक गति केवल एक महीने तक सीमित नहीं है। अगर हम मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 5 महीनों यानी अप्रैल से अगस्त की पूरी अवधि का जायजा लें तो आंकड़े कुछ और ही हैं। चीन को होने वाला निर्यात 38.71: बढ़कर 9.64 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इस दौरान चीन से आयात 27.01: की दर से बढ़कर 65.5 अरब डॉलर रहा है। अब यहां गौर करने वाली बात यह है कि कुल आयात का मूल्य अभी भी बड़ा है। लेकिन भारत की तरफ से भेजी जाने वाली वस्तुओं की विकास दर आयात की रफ्तार को लगातार पीछे छोड़ रही है। और सरकारी आंकड़ों के अनुसार अगस्त महीने में भारत के कुल निर्यात मूल्य में सबसे ज्यादा इजाफा दर्ज कराने वाले शीर्ष पांच गंतव्य देशों में चीन प्रमुख रूप से शामिल रहा है। चलिए अब जान लेते हैं वैश्विक परिदृश्य और शीर्ष भागीदार। तो नंबर एक पर है संयुक्त राज्य अमेरिका यानी कि यूएस। दूसरे नंबर पर है चाइना, तीसरे नंबर पर सिंगापुर, चौथे नंबर पर है स्पेन और पांचवें नंबर पर है तंजानिया। जी हां, यह सूची यह लिस्ट बताती है कि वैश्विक बाजार में मांग के उतार–चढ़ाव के बीच भी भारतीय उत्पादों की स्वीकृति चीन और पश्चिमी बाजारों में तेजी से बढ़ रही है।

हां, हम 1965 में हार गए थे...भारत पाकिस्तान की जंग को लेकर रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दुनिया के सामने कबूला सच

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक बार फिर अपने ही पुराने बयान के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। करीब 20 साल पुराने उनके एक बयान और अब दिए गए नए बयान को अगर आमने–सामने रख दें तो सवाल उठना लाजमी है। आखिर ख्वाजा आसिफ की बात पर भरोसा किया जाए तो किस बात पर किया जाए? एक तरफ साल 2006 का बयान है जिसमें ख्वाजा आसिफ पाकिस्तान की संसद में खड़े होकर 1965 की जंग और

पाकिस्तान की सैन्य नाकामियों का जिक्र करते हुए नजर आते हैं। दूसरी तरफ 2026 का उनका नया बयान है जिसमें वो 1965 की लड़ाई को पाकिस्तान के लिए गौरव का ध्याय बताते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी विरोधाभास को लेकर सोशल मीडिया पर ख्वाजा आसिफ घिर गये हैं। दरअसल सोशल मीडिया पर वायरल एक क्लिप में ख्वाजा आसिफ 2025 के भारत पाकिस्तान सैन्य संघर्ष का जिक्र करते हुए नजर आ रहे हैं। वो कह रहे हैं कि भारत ने पाकिस्तान को ललकारा था और पाकिस्तान की तरफ ख्संगीत, से जो जवाब दिया गया उसे पूरी दुनिया ने देखा। उसके बाद कार्यक्रम के होस्ट ने पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अय्यूब खान और 1965 की जंग का जिक्र किया। जवाब में ख्वाजा आसिफ अय्यूब खान के दौर को पाकिस्तान के इतिहास का सुनहरा अध्याय बताते हैं। वो कहते हैं कि पाकिस्तान ने एक बड़े हमले का मुकाबला किया और यहां तक दावा करते हुए दिखाई दे रहे हैं कि पाकिस्तान ने दुश्मन के इलाके में जाकर लड़ाई लड़ी। यानी कि इस बयान में ख्वाजा आसिफ का जोर पाकिस्तान की सैन्य उपलब्धि और 1965 की जंग को गौरव के रूप में पेश करने पर है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में ख्वाजा आसिफ खुद पाकिस्तान की सेना और उसके युद्ध रिकॉर्ड पर सवाल उठा रहे थे। अपने भाषण में उन्होंने 1948, 1965, 1971 और कारगिल जैसी लड़ाईयों का जिक्र किया। उन्होंने यहां तक कहा था कि अगर इन युद्धों का निष्पक्ष जांच की जाए तो देश के प्रतिनिधियों को शर्म महसूस होगी। इसी भाषण में ख्वाजा आसिफ ने 1965 की जंग के संदर्भ में पाकिस्तान के सरेंडर की बात कही थी। वायरल वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है कि 1965 की जंग में पाकिस्तान की सेना ने कश्मीर में जाने से इंकार किया था और फिर कबायली लड़ाके वहां गए। जानकारी देते चलें कि 1965 की जंग का इतिहास इतना सीधा नहीं है कि उसे सिर्फ भारत की जीत या पाकिस्तान की जीत के दो शब्दों में समेट कर रख दिया जाए। अमेरिकी विदेश विभाग के ऐतिहासिक रिकॉर्ड के मुताबिक 1965 का युद्ध कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ। दूसरा बड़ा युद्ध था। पाकिस्तान की तरफ से कश्मीर में सैन्य कारवाई की कोशिश के बाद संघर्ष बढ़ा और भारत ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के दूसरे हिस्सों पर भी सैन्य कारवाई की। पाकिस्तान के युद्ध इतिहास में 1965 और 1971 को एक ही नजरिए से नहीं देखा जा सकता। 1965 में युद्ध विराम और ताशकंद समझौते के साथ लड़ाई खत्म हुई। 1971 में पाकिस्तान का विभाजन हुआ और इसी इतिहास को लेकर जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के बयान बदलते हुए नजर आए तो सवाल सिर्फ सोशल मीडिया का नहीं रह जाता।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

होर्मुज जलडमरूमध्य में महासंग्राम! ईरान ने यूएस जहाज पर दागीं मिसाइलें और ड्रोन, अमेरिकी कर्मी घायल

मध्य पूर्व में जारी रणनीतिक टकराव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य (जतंपज वि भ्वतउन्र) के पास एक बड़ी समुद्री घटना सामने आई है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरानी सैन्य बलों ने एक ै–अनुबंधित (ै–बवदजतंबजमक) वाणिज्यिक पोत को निशाना बनाते हुए ड्रोन और मिसाइल से हमला किया।